मुक्तांजलि

हिंदी पाठ्यपुस्तक

AN ISO 9001 : 2008 CERTIFIED COMPANY

1

संकलन एवं संपादन

आशीष कुमार कंधवे

अध्यक्ष, विश्व हिंदी साहित्य परिषद्

सहायक संपादक

डॉ० नीता कुशवाह

एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.

अर्चना भदौरिया

एम.ए., बी.एड.

रेखा सक्सैना

एम.ए., बी.एड.

KRISTON PUBLICATIONS

KRISTON PUBLICATIONS

Marketed By:
Rathi Rills INDIA Pvt. Ltd.
51, Ram Mohan Vihar, Dayal Bagh,
Agra 282005, Uttar Pradesh
Phone: (0562) 6540670, 6540680
E-mail: info@kristonpublications.com
Website: www.kristonpublications.com

All rights reserved. No part of the work may be reproduced, stored in retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, microfilming, recording or otherwise, without the prior written permission of the publishers.

Every effort has been made to trace the owners of copyright material included in this book. The publishers would be grateful for any omissions to be brought to their notice for incorporation in future editions of the book.

Import/Export Licence Number: 0614007194

इस पुस्तक की बात

देश के चंचल व जिज्ञासु कर्णधारों के हाथों में `मुक्तांजलि' **हिंदी पाठ्यपुस्तक** सौंपते हुए मन में अत्यंत हर्ष एवं संतोष का भाव है।

`मुक्तांजलि' हिंदी पाठ्यपुस्तक की शृंखला में एन.सी.ई.आर.टी., आई.सी.एस.ई., सी.बी.एस.ई. तथा विभिन्न राज्यों की शिक्षा-परिषदों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम के सभी विषय बिंदुओं को शामिल किया गया है। साथ ही संपूर्ण शृंखला में हिंदी निदेशालय, भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के नियमों का पालन किया गया है। `मुक्तांजलि' पुस्तक-शृंखला की सभी पुस्तकों में पाठों का चयन, उनकी संरचना व अभ्यास कार्यों का स्वरूप; छात्रों के बौद्धिक स्तर, भाषायी कौशल तथा सीखने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। साहित्य की विविध विधाओं का समावेश करके पुस्तक-शृंखला में सजीवता व रोचकता लाने का प्रयास किया गया है।

इस पुस्तक-शृंखला में परिमार्जित भाषा के सरल, सरस और व्यावहारिक प्रयोग को सिखाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए ही प्रत्येक पाठ के साथ व्याकरण के ज्ञान को सरल व प्रयोगात्मक ढंग से जोड़ा गया है।

प्रत्येक पाठ के साथ, सिखाए गए ज्ञान के `सारात्मक व रचनात्मक मूल्यांकन' को ध्यान में रखते हुए, अभ्यास प्रश्न दिए गए हैं तथा उनमें विविधता को स्थान दिया गया है। अनेक प्रकार की गतिविधियों द्वारा भाषा की योग्यताओं – **सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना** और **चिंतन** को विकसित करने का प्रयास किया गया है। उच्चतम बौद्धिक कौशलों **(HOTS)** के विकास के लिए पाठों से संबद्ध विविध प्रश्न अभ्यास में सम्मिलित किए गए हैं। संपूर्ण शिक्षण को 'learning without burden' के सिद्धांत पर केंद्रित किया गया है।

बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रत्येक पुस्तक में कुछ रोचक पाठ्य-सामग्री को सम्मिलित किया गया है जो मूल्यांकन की प्रक्रिया से पूर्णतः मुक्त है।

`मुक्तांजलि' विषय-वस्तु के संकलन की दृष्टि से एक उत्कृष्ट पुस्तक-शृंखला है, साथ ही इसे सुंदर व मनमोहक चित्रों से भी सुसज्जित किया गया है। `मुक्तांजलि' की प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के साथ Visual based CD (केवल शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए) संलग्न है।

अपेक्षा है कि `मुक्तांजलि' **हिंदी पाठ्यपुस्तकें** हिंदी भाषा व साहित्य की जानकारी सहज रूप से उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षार्थियों के बौद्धिक स्तर को समृद्ध करने में भी सहायक होंगी।

जिन रचनाकारों की रचनाएँ इस पुस्तक-शृंखला में सम्मिलित की गई हैं, हम हृदय से उनके आभारी हैं।

आदरणीय शिक्षक-शिक्षिकाओं के पुस्तक के संबंध में बहुमूल्य सुझावों व प्रतिक्रियाओं का सदैव स्वागत है।

–संपादक

पाठ-विवरण

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
प्रथम सोपान	चित्रों की भाषा समझिए	बच्चों को उनके कार्य समय पर करने के लिए प्रोत्साहित करना, उनको अच्छी आदतों के बारे में बताना, चित्रों के माध्यम से कहानियों आदि को समझने की रुचि जागृत करना।	चित्रों का अवलोकन करने व उनका विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करना, कहानी के विभिन्न चरणों को जोड़कर कहानी को समझने व कहने की क्षमता का विकास करना।	अपना काम स्वयं करने के लिए प्रेरित करना, पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम का भाव जगाना, नैतिक गुणों का विकास करना।
द्वितीय सोपान	पुनरावृत्ति	क्रमिक रूप से विभिन्न मात्राओं वाले शब्दों के शुद्ध उच्चारण व लेखन का अभ्यास करना, चित्रों का अवलोकन करना तथा चित्रों में रंग भरना।	नए-नए शब्द सीखने की क्षमता का विकास करना, शब्द-भंडार में वृद्धि करना तथा आस-पास के वातावरण से परिचित कराना।	परिवार व समाज से लगाव पैदा करना, आस-पास के परिवेश के प्रति जागरूकता का भाव पैदा करना तथा सहयोग की भावना का विकास करना।
तृतीय सोपान	आइए, पाठ पढ़ें			
1.	प्रार्थना (कविता)	स्वतंत्र रूप से शब्दों के शुद्ध उच्चारण व लेखन का अभ्यास करना, कविता को सुर व लय के साथ पढ़ना।	मन के भाव व्यक्त करने की क्षमता का विकास करना तथा रंगों के उचित संयोजन की क्षमता का विकास करना।	ईश्वर व उसके द्वारा बनाई गई सृष्टि के प्रति प्रेम व आस्था का भाव पैदा करना तथा अपने कर्तव्यों को पूरा करने का भाव पैदा करना।
2.	चतुर कौआ (चित्र-कथा)	संवादों को भावों के अनुसार पढ़ना व समझना, चित्र देखकर भाव समझने की क्षमता का विकास करना तथा प्रश्नोत्तर, शब्दार्थ व बहुवचन का ज्ञान कराना।	पशुओं के प्रति प्रेम-भाव जागृत करना, आस-पास के वातावरण से परिचित कराना तथा कहानी को क्रमिक रूप से कहने की क्षमता का विकास करना।	चालाक लोगों से सावधान रहने की सीख देना तथा पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम व दया की भावना जगाना।
3.	एक-दूसरे का सहारा (कहानी)	शुद्ध उच्चारण व शुद्ध लेखन का अभ्यास करना, वाक्यों को उचित रूप में बोलने का अभ्यास करना, समानार्थी शब्दों का ज्ञान कराना तथा व्याकरण का व्यावहारिक प्रयोग सिखाना।	प्राकृतिक वस्तुओं से सीखने की प्रेरणा देना, प्रकृति से लगाव की भावना पैदा करना तथा मौसम के संबंध में जानकारी देना।	एक-दूसरे की सहायता करने का भाव पैदा करना व घमंड नहीं करने की प्रेरणा देना।

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
	वे बच्चे अच्छे लगते हैं.....	केवल पढ़ने के लिए		
4.	चंदा मामा (कविता)	उचित सुर व लय के साथ कविता का पाठ कराना, शब्दों के शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराना, समान लय वाले शब्दों का ज्ञान कराना तथा सही-गलत शब्दों का भेद स्पष्ट करना।	प्रकृति से प्रेम की भावना का विकास करना, प्राकृतिक सुंदरता का बोध कराना तथा विभिन्न मौसमों के बारे में जानकारी देना।	प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने का भाव जगाना, मिल-जुलकर रहना सिखाना।
5.	सात पूँछों वाला चूहा (कहानी)	शुद्ध उच्चारण व लेखन का ज्ञान कराना, शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना तथा विलोम शब्दों से परिचित कराना।	कल्पना-शक्ति व चित्र-विश्लेषण की क्षमता का विकास करना तथा जीव-जंतुओं के जीवन के प्रति उत्सुकता का भाव जगाना।	किसी को अकारण परेशान न करने की सीख देना, लोगों की बातों में न आने व स्वयं की समझ के अनुसार निर्णय लेने की सीख देना।
	प्रकृति के अजूबे	केवल पढ़ने के लिए		
6.	मोर (निबंध)	शुद्ध पाठन व लेखन का अभ्यास कराना, निबंध की विधा से परिचित कराना, शब्दों का लिंग परिवर्तन करना सिखाना तथा तथ्यों के आधार पर वाक्यों की रचना करना सिखाना।	पशु-पक्षियों के बारे में जानने की इच्छा जगाना, पशु-पक्षियों की विशेषताओं व महत्व से परिचित कराना।	राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में जानकारी देना तथा प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा देना।
7.	कुएँ में चाँद (कहानी)	बंदरों की शरारती प्रवृत्ति के बारे में बताना, उचित हाव-भाव के साथ पढ़ने व बोलने की क्षमता का विकास करना, शब्दों के बहुवचन रूप बताना तथा समानार्थी शब्दों का ज्ञान देना।	बच्चों को क्रियात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करना, चित्र विश्लेषण क्षमता का विकास करना तथा अपने भावों और विचारों को व्यक्त करने की क्षमता का विकास करना।	किसी भी निर्णय पर पहुँचने से पहले परिस्थिति के बारे में ठीक से सोच-विचार कर लेने की सीख देना।
8.	समय का महत्व (कविता)	उचित सुर व लय के साथ कविता का पाठ करना, संज्ञा शब्दों से परिचित कराना, क्रिया शब्दों का वाक्यों में उचित प्रयोग करना सिखाना।	समय का महत्व बताना, घड़ियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना तथा बौद्धिक क्षमता का विकास करना।	समय का सदुपयोग करने की सीख देना तथा अनुशासित तरीके से कार्य करने की प्रेरणा देना।

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
9.	चीता बना सबसे तेज धावक (लोककथा)	विशेष जानवरों के बारे में जानकारी देना, शब्द-ज्ञान बढ़ाना, शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करना सिखाना तथा विलोम शब्दों का अभ्यास कराना।	जंगली व पालतू जानवरों की विशेषताओं से परिचित कराना तथा जानवरों की उचित देख-भाल करने के लिए प्रेरित करना।	स्वस्थ प्रतियोगिता व नि:स्वार्थ सेवा का भाव जगाना तथा अपना लक्ष्य पाने के लिए कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देना।
	तितलियाँ और मधुमक्खियाँ	केवल पढ़ने के लिए		
10.	मेरा देश भारत (लेख)	शुद्ध उच्चारण व लेखन का अभ्यास कराना, शब्द ज्ञान बढ़ाना तथा शब्दों की सही वर्तनी का ज्ञान कराना।	देश की भौगोलिक व प्राकृतिक विशेषताओं से परिचित कराना तथा देश के प्रति जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास करना।	देश-प्रेम की भावना का विकास करना तथा देश के प्रति गौरव व सम्मान का भाव जगाना।
11.	स्वामी जी की विनम्रता (प्रेरक प्रसंग)	उचित हाव-भाव के साथ पढ़ने का अभ्यास कराना, शब्द-ज्ञान बढ़ाना तथा 'ड़' व 'ढ़' का उचित प्रयोग सिखाना।	उचित-अनुचित का भेद करने की क्षमता का विकास करना, तार्किक क्षमता का विकास करना तथा देश के महापुरुषों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करना।	अच्छाई से बुराई पर विजय पाने का भाव पैदा करना तथा विनम्रता के गुण का विकास करना।
12.	गाँव हमारा (कविता)	सुर व लय के साथ कविता का पाठ करना, तुकबंदी वाले शब्दों का निर्माण करना तथा शब्द-भंडार को बढ़ाना।	कल्पना करने की क्षमता का विकास करना, गाँवों और शहरों की विशेषताओं से अवगत कराना तथा ग्रामीण जीवन के बारे में जानने की जिज्ञासा उत्पन्न करना।	अपनी सभ्यता व संस्कृति के प्रति आदर भाव पैदा करना तथा सामाजिकता की भावना जगाना।

विषय सूची

चित्रों की भाषा समझिए

(i) आइए, पाठशाला चलें 1

(ii) अब हो बात कहानी की.....

चतुर खरगोश 2

लालची बंदर 3

पुनरावृत्ति

(i) अब वर्णमाला दोहराइए 4–6

(ii) पहचानिए और लिखिए 7

(iii) दो, तीन और चार वर्णों के शब्द 8–10

मात्राएँ 11

(iv) 'आ' (ा) की मात्रा 12–14

(v) 'इ' (ि) और 'ई' (ी) की मात्रा 15–18

(vi) 'उ' (ु) और 'ऊ' (ू) की मात्रा 19–22

(vii) 'ऋ' की मात्रा (ृ) 23–24

(viii) 'ए' (े) व 'ऐ' (ै) की मात्रा 25–28

(ix) 'ओ' (ो) व 'औ' (ौ) की मात्रा 29–32

(x) 'अं'-अनुस्वार (ं), अनुनासिक (ँ) व अः– विसर्ग (:) की मात्रा . . 33–37

(xi) 'ड़' व 'ढ़' का प्रयोग 38–39

(xii) 'र' रेफ (र्‍) व 'र' पदेन (्र , ृ) की मात्रा 40–43

(xiii) संयुक्त व्यंजन और संयुक्त अक्षर 44–47

(xiv) बारहखड़ी 48–50

आइए, पाठ पढ़ें

1. प्रार्थना 51–54

2. चतुर कौआ 55–58

3. एक-दूसरे का सहारा 59–64

वे बच्चे अच्छे लगते हैं.... (केवल पढ़ने के लिए) 65

4. चंदा मामा 66–69

5. सात पूँछों वाला चूहा 70–74

प्रकृति के अजूबे (केवल पढ़ने के लिए) 75

6. मोर 76–80

7. कुएँ में चाँद 81–86

8. समय का महत्व 87–90

9. चीता बना सबसे तेज धावक 91–95

तितलियाँ और मधुमक्खियाँ (केवल पढ़ने के लिए) 96–97

10. मेरा देश भारत 98–102

11. स्वामी जी की विनम्रता 103–107

12. गाँव हमारा 108–112

मॉडल प्रश्न-पत्र 113–116

आइए, पाठशाला चलें....

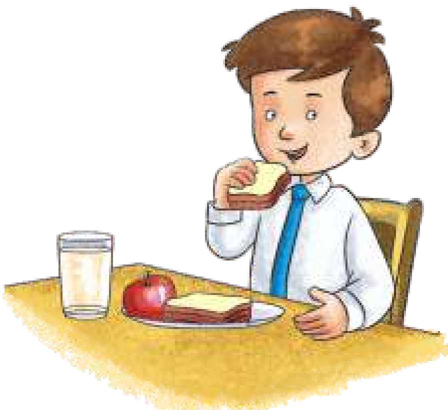

अध्यापन-निर्देश—अध्यापिकाएँ बच्चों को प्रतिदिन के नियमित कार्यों के बारे में बताएँ। सही समय पर जागने, शारीरिक स्वच्छता रखने, पौष्टिक भोजन करने व विद्यालय के लिए ठीक से तैयार होने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। इन छोटे-छोटे प्रयासों के द्वारा बच्चों में अपना काम स्वयं करने की आदत विकसित की जा सकती है।

अब हो बात कहानी की....

चतुर खरगोश

अध्यापन-निर्देश—अध्यापिकाएँ बच्चों से प्रत्येक चित्र के बारे में प्रश्न पूछकर उनसे उत्तर जानने का प्रयास करें। इससे बच्चों में चित्र-विश्लेषण व आत्माभिव्यक्ति की क्षमता का विकास होगा। यदि बच्चे चित्रों का सही विश्लेषण न कर पाएँ तो उनको उसी समय सही तथ्य बताएँ। इसके बाद अभिनय करते हुए, समझाकर विस्तार से कहानी सुनाएँ। कहानी से प्राप्त सीख के बारे में भी समझाएँ।

लालची बंदर

अध्यापन-निर्देश—बच्चों को चित्रों की मदद से कहानी कहने के लिए प्रोत्साहित करें। उसके बाद बंदर ने क्या भूल की, इस रोचक प्रश्न को पूछते हुए बात-चीत करें।

अब वर्णमाला दोहराइए

अ

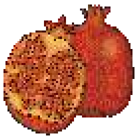

आ

इ

ई

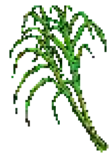

उ

ऊ

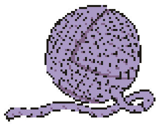

ऋ

ए

ऐ

ओ

औ

अं

अः

क

ख

ग

घ

ङ

च

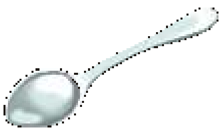

छ

ज

झ

ञ

ट

ठ

ड

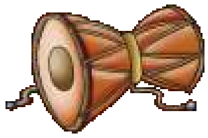

ढ

ण

त

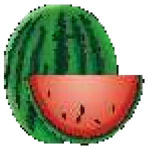

थ

द

ध

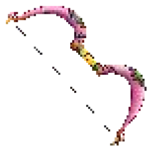

न

प

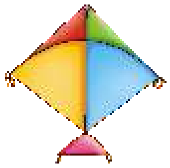

फ

ब

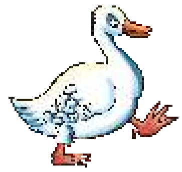

भ

म

य

र

ल

व

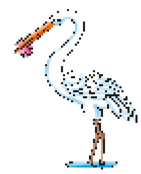

श

ष

स

ह

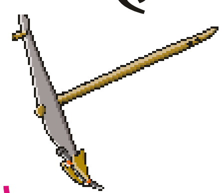

क्ष

त्र

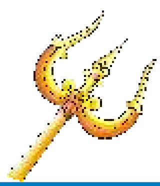

ज्ञ

श्र

ड़ ढ़

अध्यापन-निर्देश—बच्चों को बताएँ कि हर वर्ण से कई चीज़ों के नाम शुरू हो सकते हैं; जैसे—अ से अमरूद, अचकन, अजगर आदि। शब्द के पहले वर्ण पर ज़ोर देते हुए बच्चों को इसका महत्व बताएँ और प्रत्येक वर्ण से शुरू होने वाली कई अन्य चीज़ों के नाम भी ज़ोर-ज़ोर से बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

बच्चों को इस बात के लिए प्रोत्साहित करें कि वे स्वयं अपने आस-पास के परिवेश से विभिन्न वर्णों से शुरू होने वाली कई अलग-अलग चीज़ों के नाम बताएँ। प्रत्येक वर्ण का सही उच्चारण बताकर बच्चों को शुद्ध भाषा बोलने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

पहचानिए और लिखिए

बिंदुओं को रंगीन पेंसिल से जोड़कर वर्ण पहचानिए और लिखिए—

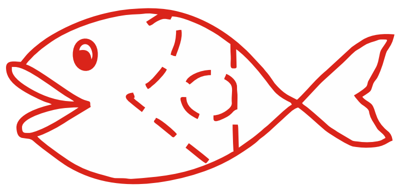

____

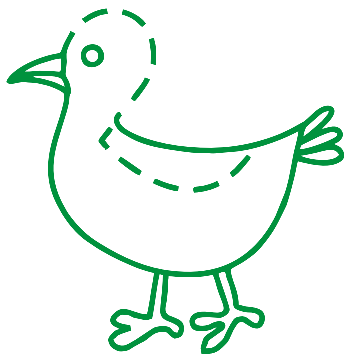

____

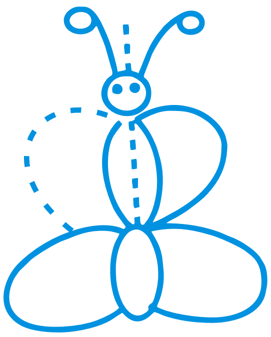

____

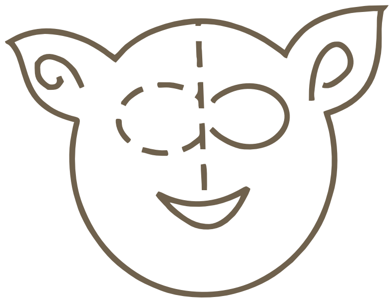

____

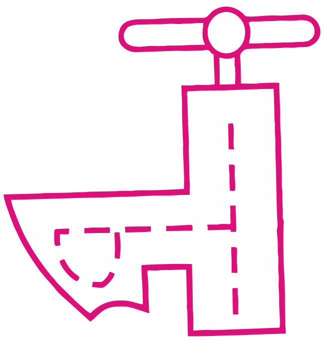

____

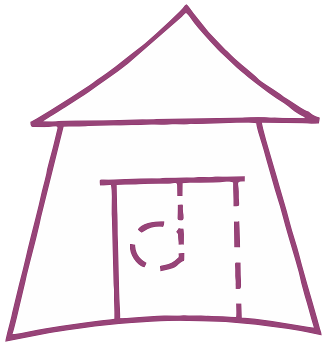

____

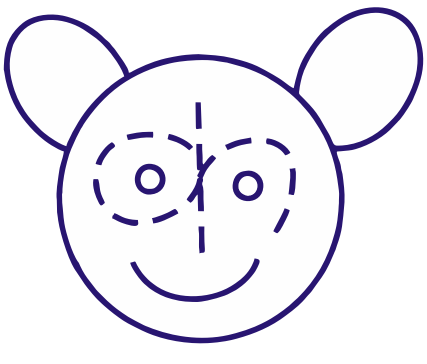

____

____

दो वर्णों के शब्द

समझिए और सीखिए–

फ + ल = फल

ब + स = बस

न+ ल = नल

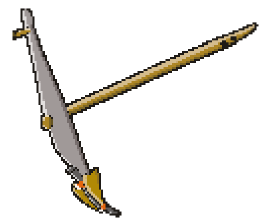

ह+ ल = हल

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

अब	फल	वन	बज	बस	घर	वह
जब	पल	तन	सज	दस	डर	यह
तब	जल	धन	गज	नस	भर	कह
कब	थल	जन	रज	रस	चर	चख
सब	नल	मन	भज	कस	नर	रख

अब पढ़िए–

रथ पर चढ़। जल भर कर रख। यह फल चख। डर मत।

हठ मत कर। दस बज गए। अब घर चल।

तीन वर्णों के शब्द

समझिए और सीखिए–

क + ल + श = कलश

भ+ व + न = भवन

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

फलक	चमन	नगर	गरम	तरल	झगड़
पलक	नमन	नहर	चरम	सरल	पकड़
चटक	बटन	शहर	नरम	टहल	जकड़
महक	सहन	ठहर	कलम	पहल	रबड़
सड़क	बहन	जहर	अहम	महल	अकड़

अब पढ़िए–

जगन बटन रख। सड़क पर चल। इधर-उधर मत भटक। अमन इधर आ। गरम-गरम मटर चख। नगर तक चल। अब मत ठहर। चमन शहद चख। यह खबर पढ़। झगड़ मत। नमन कलम पकड़। अकड़ मत। इधर ठहर। अब महल तक चल।

चार वर्णों के शब्द

समझिए और सीखिए–

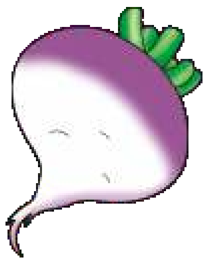

श + ल + ग + म = शलगम

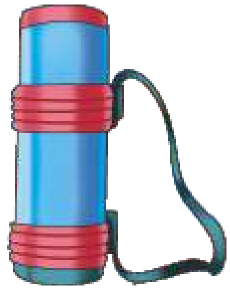

थ + र + म + स = थरमस

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

अनबन	शलगम	पनघट	अजगर	दशरथ
बचपन	हरदम	करवट	जलचर	शरबत
बरतन	सरगम	सरपट	अदरक	हसरत
अचकन	चमचम	खटपट	बरगद	नफरत
उबटन	टमटम	नटखट	अनपढ़	भगवत

अब पढ़िए–

गनपत उठ। झटपट घर चल। उबटन मल। बरगद पर मत चढ़। बरतन नल पर रख। पनघट पर घट भर। मलमल पहन। शरबत चख। कटहल रख। भगवत भजन कर। बकबक मत कर। अजगर मत पकड़। हरकत मत कर। अनवर अचकन पहन।

मात्राएँ

- मात्राएँ स्वरों की होती हैं।
- मात्राएँ सदैव व्यंजनों पर ही लगती हैं।

स्वर

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ			

- स्वरों के अतिरिक्त अनुस्वार (ं), अनुनासिक (ँ) व विसर्ग (ः) की भी मात्राएँ लगती हैं।

आप जानते हैं कि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती। लेकिन यह प्रत्येक व्यंजन में छिपा होता है। बिना 'अ' वाले व्यंजन के नीचे हलंत (्) का चिह्न लगाया जाता है।

जैसे– क् + अ = क, ट् + अ = ट, ज् + अ = ज

म्+अ+ट्+अ+र्+अ = मटर

'अ' के अतिरिक्त सभी स्वरों की मात्राएँ व्यंजनों के साथ स्पष्ट दिखाई देती हैं; जैसे– क् + ई = की, म् + ए = मे, प् + ऊ = पू

'आ' की मात्रा (ा)

समझिए और सीखिए–

छ्+ा+त्+ा = छाता

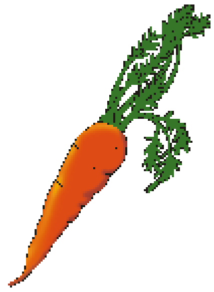

ग्+ा+ज्+अ+र्+अ = गाजर

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

काम	पका	गाना	मानव	सामान	अदालत
राम	रखा	नाना	सागर	आसान	अचानक
धाम	हवा	माना	पालक	चालान	पकवान
दाम	कला	राजा	मकान	आराम	आसमान
घास	बजा	ताजा	जवान	आचार	पाठशाला
दास	जरा	लाला	महान	आधार	डाकखाना

अब पढ़िए–

आकाश बाजार जा। छाता लगा। टमाटर व पालक ला। आम और अनार इधर रख। पकवान बना। राघव नहाकर खाना खा। अब पाठशाला जा। बालक घर आया। बाजा बजाया। दाना लाया। राजन गाय ला। चारा डाल। नारद कार चला। राधा गाना गा। आकाश बाग तक जा। कमला आसन जमा। सपना ताला लगा। नयना भगवान का भजन कर।

अभ्यास

1. दिए गए चित्रों के सही नाम पर गोला (○) बनाइए—

(i)
घर
फल

(ii)
बरगद
बरतन

(iii)
सड़क
भवन

(iv)
घास
हाथ

(v)
कलश
कलम

(vi)
आसमान
पाठशाला

2. चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए—

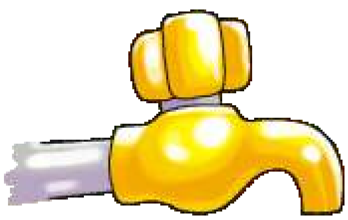

न + ल = नल

क + ल + ___ = ______

___ + ल + म = ______

थ + र + म + ___ = ______

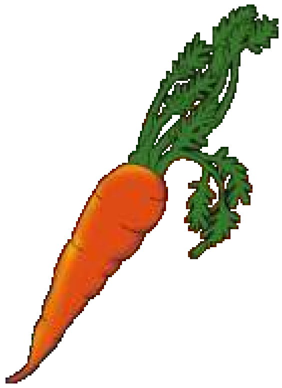

गा + ___ + र = ________ ता + ___ = ________

3. नीचे लिखे शब्दों के वर्णों को अलग करके लिखिए—

(i) फल — फ् + अ + ल् + अ

(ii) जग — ☐ + ☐ + ☐ + ☐

(iii) लगन — ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

(iv) आसन — ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

(v) बाजार — ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

(vi) आसमान— ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

(vii) पालक — ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐ + ☐

4. समझिए और खाली जगह भरिए—

(i) जल	जाल	जाला
(ii) बज	________	________
(iii) चर	________	________
(iv) रम	________	________

'इ' की मात्रा (ि)

समझिए और सीखिए–

ह्+ि+र्+अ+न्+अ = हिरन

क्+ि+त्+ा+ब्+अ = किताब

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

खिल	खिला	विमल	हिसाब	नारियल
बिल	मिला	किधर	गिलास	साइकिल
गिन	शिखा	हिरन	सरिता	रिमझिम
पिन	दिखा	टिकट	बारिश	किशमिश
छिन	गिरा	मिलन	डाकिया	झिलमिल

अब पढ़िए–

दिन निकल आया। चिड़िया आई। डाकिया आया। डाकिया लिफाफा लाया। रवि साइकिल पर बाजार जा। शिव किशमिश और नारियल ला। शनिवार का दिन था। रिमझिम-रिमझिम बारिश आई। किरन, सानिया और विशाल पिकनिक पर गए। किरन मिठाई लाई। सानिया मिठाई खा और सितार बजा। विशाल किताब पढ़।

'ई' की मात्रा (ी)

समझिए और सीखिए–

म्+अ+छ्+अ+ल्+ी= मछली

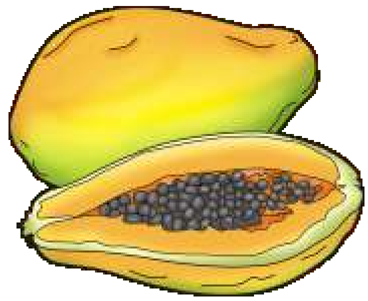

प्+अ+प्+ी+त्+ा = पपीता

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

चीता	जाली	पीतल	बगीचा	बाजीगर
फीता	माली	शीतल	गलीचा	दीपावली
नीला	लीची	दीपक	शरीफा	गिलहरी
पीला	चीनी	कमीज	तितली	इलायची
टीला	मीठी	मशीन	बिजली	ईमानदारी

अब पढ़िए–

दीपावली आ गई। मीरा और उसकी नानी आई। रजनी शीतल पानी ला। नानी मिठाई लाई थी। दादी थाली सजाकर लाई। खीलवाला खील लाया। धीरज बाजा बजा। बीना आतिशबाजी चला। माली बगीचा लगा। नवीन तितली का पीछा मत कर। गिरीश मछली मत पकड़।

अभ्यास

1. दिए गए चित्रों के सही नाम पर गोला (○) बनाइए–

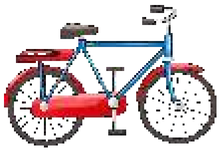

साकिल   साइकिल   सइकिल

चिड़िया   चिड़ीया   चिडिया

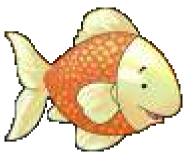

मछाली   मछलि   मछली

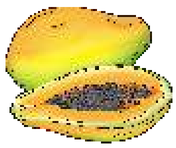

पपीता   पपिता   पापिता

2. चित्रों के नाम की सहायता से खाली स्थान भरिए–

शीतल ________ पढ़।

बाजार से 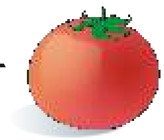 ________ ला।

________ उड़ गई।

________ मत पकड़।

________ पत्र लाया।

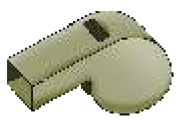 ________ बजा।

3. वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए–

(i) क् + अ + व् + ि + त् + ा = ______

(ii) ल् + अ + ड़् + अ + क् + ी = ______

(iii) श् + अ + र् + ी + फ् + ा = ______

(iv) व् + ि + क् + ा + स् + अ = ______

4. शब्द पढ़कर उस पर ✓ लगाइए जिसका नाम है–

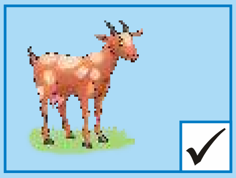 ✓	बकरी	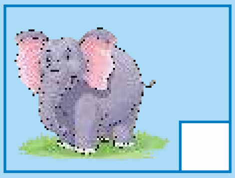
	माता जी	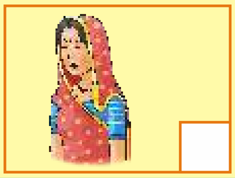
	चिड़िया	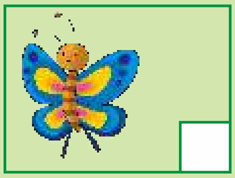
	गिलास	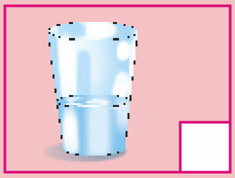

5. कोष्ठक में से सही अक्षर चुनकर खाली जगह भरिए और शब्द बनाइए–

ना ___	नि, नी	___ लास	गि, गी
लड़ ___	कि, की	___ ताब	कि, की
प ___ ता	पि, पी	डा ___ या	कि, की

'उ' की मात्रा (ु)

समझिए और सीखिए–

क् + अ + छ् + ु + आ = कछुआ   ग् + ु + ड़् + ि + य् + ा = गुड़िया

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

पुल	कुली	सुमन	मुरली	बुलबुल
कुल	खुली	मधुर	कुरसी	गुड़हल
गुड़	झुकी	रुपया	चुनरी	मुसकान
सुन	मुड़ी	गुलाब	कुसुम	गुजरात
धुन	बुनी	दुशाला	बुढ़िया	चुनमुन
बुन	सुनी	सुजाता	पुड़िया	झुनझुना

अब पढ़िए–

मुनमुन की शादी थी। मुनमुन साबुन लगाकर नहाई। सुधा गुलाबी सलवार-कुरता और चुनरी लाई। मुनमुन सलवार-कुरता, दुशाला और झुमका पहनकर सजी। सुमन लाल गुलाब की माला लाई। तभी गुनगुन आ गई। बुलबुल भी साथ आई। बुलबुल का मधुर गाना सुनकर सब खुश हुए। कुसुम मीठी धुन गुनगुना रही थी। मुनमुन की बुआ ठुमक-ठुमक कर नाची। सब बहुत खुश हुए।

'ऊ' की मात्रा (ू)

समझिए और सीखिए–

स्+ ू +र्+अ+ज्+अ = सूरज

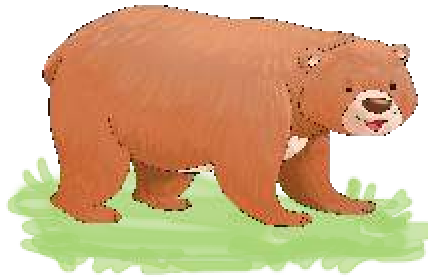

भ्+ा+ल्+ ू = भालू

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

शूल	शालू	पूरब	तूफान	कबूतर
धूल	राजू	भूषण	रूमाल	जूनागढ़
फूल	चूड़ी	खजूर	मासूम	चापलूस
पूजा	जूही	जरूर	मसूरी	कसूरवार
चूहा	शूली	सबूत	तूलिका	सूरजमुखी

अब पढ़िए–

राजू उछल मत। कबूतर मत पकड़। सूरज निकल आया। दूर तक घूमकर आ। पूजा अमरूद खा। रूपम झूला झूल। रूपा नाखून काट। नूतन धूल मत उड़ा। पूरन खरबूज और तरबूज खरीदकर ला। भूषण नया जूता खरीदकर ला। अनूप सूरजमुखी का फूल ला। जूही लाल चूड़ी पहन। राजू मसूरी जा और घूमकर आ।

अभ्यास

1. चित्रों को देखकर सही शब्दों को उनके सामने लिखिए—

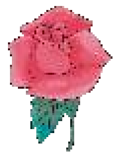 ________ 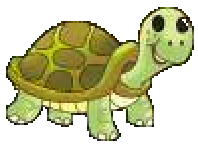 ________

________ ________

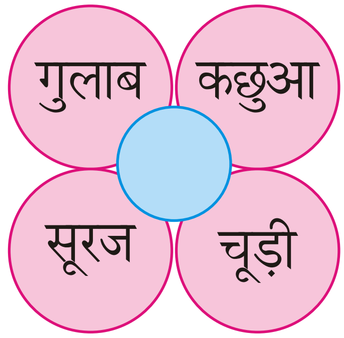

2. चित्रों के नाम लिखकर खाली जगह भरिए—

(i) पूरब की ओर से सुबह 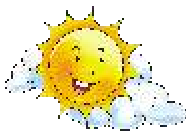 ________ निकला।

(ii) कुसुम ________ इधर रख।

(iii) सुनीता लाल 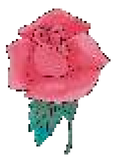 ________ पहन।

(iv) एक 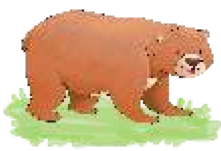 ________ नाच रहा था।

(v) लाल 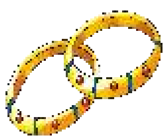 ________ की माला बना।

3. र में 'उ' (ु) अथवा 'ऊ' (ू) की मात्रा लगाइए–

र पा बाजार गई।

वह नए र माल लाई।

पिता जी और गुर जी आए।

र पा सिर झुकाकर प्रणाम कर।

4. वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए–

(i) कुटिया क्+ ु +ट्+ ि +य्+ा

(ii) खजूर ______________

(iii) सूजी ______________

(iv) मनुज ______________

(v) गूलर ______________

5. पढ़िए और गलत शब्दों पर गोला (○) बनाइए–

कबूतर	बूलबूल	गुलाब	मूरली	गुजरात
मधुर	कूरसी	जरूर	कूटिया	सुरज

6. रंग भरिए–

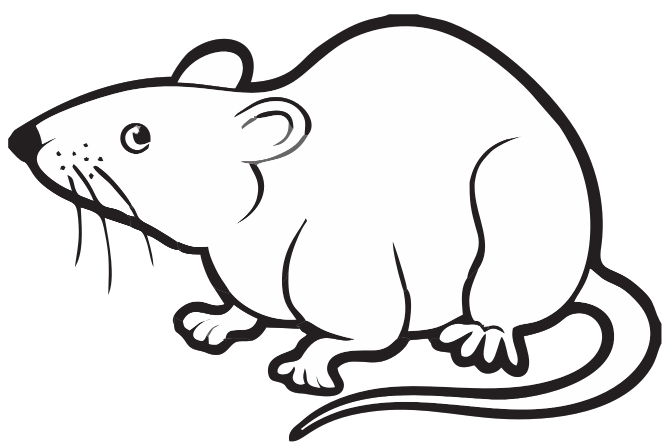

'ऋ' की मात्रा (ृ)

समझिए और सीखिए–

म्+ ृ+ग्+अ = मृग

क्+ ृ+ष्+अ+क्+अ = कृषक

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

वृक्ष	कृपा	कृषक	कृपाण	मातृभाषा
नृप	वृथा	कृतज्ञ	कृपालु	पितृपक्ष
तृण	ऋतु	अमृत	गृहणी	मातृभूमि
ऋण	कृषि	सृजन	विकृति	मृणालिनी
मृग	कृति	कृपण	जागृति	मृगनयनी

अब पढ़िए–

नृप का आदर कर। वृक्ष मत काट। नए वृक्ष लगा। ऋतु आश्रम तक जा। ऋषि की कृपा पा। अमृत वचन सुन। कृतज्ञ और दयालु बन। मृग का शिकार मत कर। कृषक हरी-हरी घास काटकर घर ला। अमृता गीत गा। ऋषभ मातृभूमि की रक्षा कर। मातृभाषा का आदर कर। जागृति कृपण मत बन।

अभ्यास

1. चित्रों के नामों की सहायता से खाली स्थान भरिए–

(i) 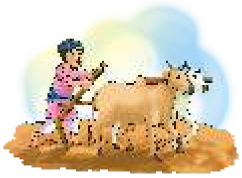 ________ ने हल चलाया।

(ii) ________ का आदर कर।

(iii) ________ जंगल की ओर भागा।

नृप
मृग
कृषक

2. चित्र के सही नाम पर ✓ लगाइए–

(i) भालू ☐ मृग ☐

(ii) नृप ☐ वृक्ष ☐

(iii) ऋषि ☐ किसान ☐

'ए' की मात्रा (े)

समझिए और सीखिए–

प् + े + ड् + अ = पेड़

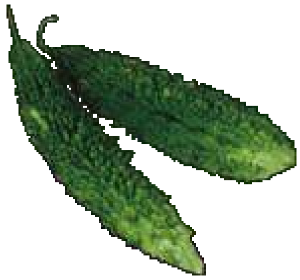

क् + अ + र् + े + ल् + ा = करेला

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

खेल	केला	नरेश	अकेला	देवालय
मेल	मेला	केसर	नेवला	लालटेन
रेल	नेहा	सेवक	सहेली	भेलपूरी
खेत	सारे	बटेर	केतली	बेलापुर
सेब	नारे	कपड़े	जलेबी	वासुदेव

अब पढ़िए–

महेश सुरेश का भाई है। एक दिन महेश और सुरेश हमारे घर आए। वे रेलगाड़ी से आए। हमारे घर के पास बहुत बड़ा मेला लगा था। वे मेला देखना चाहते थे। अगले दिन हम सब मेला देखने गए। सुरेश मिठाई खाना चाहता था। एक दुकान पर मिठाई बिक रही थी। सुरेश जलेबी और पेड़े खरीदने लगा। दूसरी तरफ तरह-तरह के झूले लगे थे। उन पर बहुत भीड़ थी इसलिए हम सब कठपुतली का नाच देखने गए।

'ऐ' की मात्रा (ै)

समझिए और सीखिए–

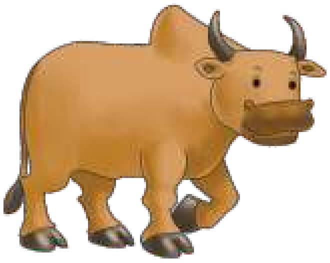

ब्+ ै+ल्+अ = बैल

थ्+ ै+ल्+ा = थैला

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

पैर	मैदा	पैदल	कैलाश	खपरैल
सैर	शैला	हैरत	शैतान	बैलगाड़ी
कैद	पैसा	बैठक	हैरान	पैदावार
नैन	शैली	फैशन	सैनिक	बैजनाथ
रैन	कैदी	फैजल	तैराकी	फैजाबाद

अब पढ़िए–

शैला ने आवाज दी। नैना आ गई है। बैजू अब उठ। वैशाली कैलाश की दुकान से मैदा खरीदकर ला। शैलजा भी बाजार जा रही है। बैलगाड़ी तैयार है। बैल को चारा डाल। हैरान मत कर। कैलाश फैजाबाद गया है। बैजू ने दादा जी के पैर छुए। दादा जी बैलगाड़ी से खपरैल लेने गए। नैना और फैजल भी उनके साथ गए।

अभ्यास

1. चित्रों की सहायता से खाली स्थानों को भरिए–

(i) रेखा ______________ पर मत चढ़।

(ii) केशव 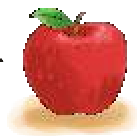 ______________ खा।

(iii) किसान 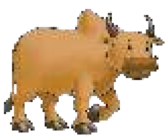 ______________ लेकर आया।

(iv) ______________ से मत डर।

2. मिलती-जुलती आवाज वाले शब्दों को मिलाइए–

मेल	नारे
शैला	हैरान
मेड़	थैला
सारे	रेल
शैतान	भेड़

3. चित्रों के सामने उनके नाम लिखिए—

____________ 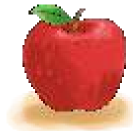 ____________

____________ ____________

4. सही-गलत के निशान (✓, ✗) लगाइए—

(i) खाने की चीज है — ☐ ☐

(ii) हरा होता है — ☐ 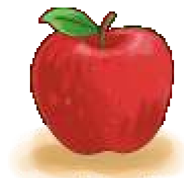 ☐

(iii) मीठा होता है — 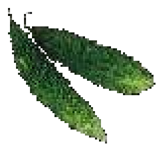 ☐ 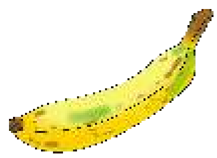 ☐

(iv) देश की रक्षा करता है — ☐ ☐

(v) वन का राजा होता है — 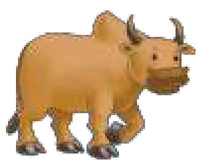 ☐ ☐

'ओ' की मात्रा (ो)

समझिए और सीखिए–

घ्+ ो+ड़्+ा = घोड़ा

ज्+ ो+क्+अ+र्+अ = जोकर

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

कोट	छोटा	जोकर	कटोरा	दोपहर
नोट	खोला	कोयल	कोशिश	सोमवार
गोल	रोटी	बोतल	पोटली	कोतवाल
मोर	मोटी	सरोज	मोरनी	कोलतार
चोर	डोली	चकोर	सलोनी	होशियार

अब पढ़िए–

दोपहर के समय मोहन घर आया। माता ने सभी को भोजन करने के लिए बुलाया। सभी भोजन करने आए। सोहन ने ढोल बजाया। सलोनी ने नाच दिखाया। सरोज ने गाना गाया। जोकर ने करतब दिखाया। लोचन ने कहानी सुनाई। तभी चुपके से एक चोर आ गया। सबने चोर को देखा। मोना चोर को देखकर शोर मचाने लगी। शोर सुनकर कोतवाल आ गया। कोतवाल चोर को अपने साथ ले गया।

'औ' की मात्रा (ौ)

समझिए और सीखिए–

क्+ ौ+ आ = कौआ

ह्+अ+थ्+ौ+ड़्+ी = हथौड़ी

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

शौक	नौका	रौनक	चौराहा	चौकीदार
मौज	चौका	औरत	नौकरी	नौकरानी
चौथा	मौसी	दौलत	औषधि	मनमौजी
पौधा	लौकी	सौरभ	तौलिया	पौधशाला
सौदा	चौकी	मौसम	शौकीन	जौनपुर

अब पढ़िए–

मौसा जी ने नया घर बनवाया। मौसा जी का घर बहुत बड़ा था। घर के बाहर एक बगीचा था। मौसा जी को पौधे लगाने का शौक था। मौसा जी पौधशाला से पौधे लाए। मौसा जी ने एक चौकीदार रखा। चौकीदार रात-दिन बगीचे की रखवाली करता था। गोपाल उनका नौकर था। वह बाजार से लौकी लाया। मौसी जी ने लौकी के पकौड़े बनाए। मौसा जी ने शौक से पकौड़े खाए।

अभ्यास

1. चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए–

___ता

जो ___ र

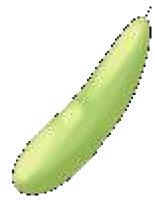

___की

नौ___

___करी

ह ___ ड़ी

2. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

(i) त् + ो + त् + ा = ___________

(ii) क् + ो + य् + अ + ल् + अ = ___________

(iii) म् + ौ + क् + ा = ___________

(iv) ल् + ौ + क् + ी = ___________

(v) प् + अ + क् + ौ + ड् + ी = ___________

3. सही शब्द पर गोला (○) बनाइए–

कौयल	लौकी	टोकरी	बोतला
तौलिया	जौकर	मौरनी	चोर

4. दिए गए शब्दों को उनके सही स्थान पर लिखिए—

देखो	कौआ	खिलौना	शोर
पोटली	दौड़	कोयल	मौसी

‘ओ’ की मात्रा वाले शब्द	‘औ’ की मात्रा वाले शब्द
____________	____________
____________	____________
____________	____________
____________	____________

5. चित्रों को देखिए, पहचानिए और उनके सही नाम पर ✓ लगाइए—

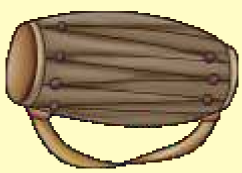

कोयल ☐
ढोलक ☐
मोटर ☐

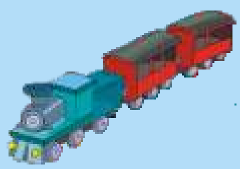

खिलौना ☐
भगोना ☐
समोसा ☐

मोर ☐
बकरा ☐
घोड़ा ☐

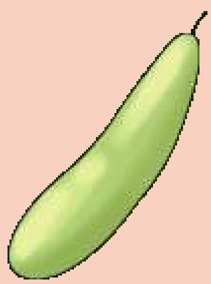

चौकी ☐
गोभी ☐
लौकी ☐

'अं' की मात्रा- अनुस्वार (ं)

समझिए और सीखिए–

अ+ ं+ग्+ ू+र्+अ = अंगूर

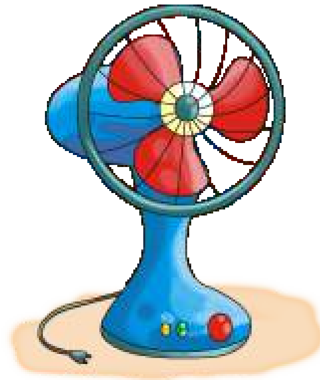

प्+अ+ ं+ख्+ा = पंखा

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

रंग	गंगा	चंदन	मंदिर	घंटाघर
पंख	दंगा	कंचन	जंजीर	चंदामामा
शंख	डंडा	कंगाल	लंगूर	रंग-बिरंगा
जंग	ठंडा	जंजाल	मेंढक	अंताक्षरी
ढंग	अंधा	बंगाल	चिंतन	पंचामृत

अब पढ़िए–

मंगलवार का दिन था। आनंद, संदीप, संजना और संगीता बगीचे में सैर करने गए। बगीचा बहुत सुंदर था। संजना की सहेली वंशिका भी बगीचे में थी। उसके पास अंगूर और संतरे से भरी टोकरी थी। सबने मिलकर अंगूर और संतरे खाए। आनंद और संदीप ने पतंग उड़ाई। संदीप ने आनंद की पतंग काट दी। बगीचे में एक मंदिर भी था। सबने मंदिर में जाकर घंटा बजाया और चंदन का तिलक लगाया।

अनुनासिक की मात्रा (ँ)

समझिए और सीखिए–

आ+ ँ+ख्+अ = आँख

त्+ा+ ँ+ग्+ा = ताँगा

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

गाँव	मुँह	भँवर	अँधेरा	हँसमुख
साँस	धुआँ	आँचल	चाँदनी	ताँगेवाला
बाँध	खाँसी	आँगन	अँगूठा	तितलियाँ
चाँद	गेहूँ	साँभर	बाँसुरी	पहाड़ियाँ
साँप	आँधी	बाँटना	चिड़ियाँ	अँगुलिमाल

अब पढ़िए–

आँचल के दादा जी गाँव में रहते हैं। गाँव के पास ही उनका खेत है। खेत में एक पुराना कुआँ है। उस कुएँ में एक जहरीला साँप रहता है। गाँववालों ने बताया कि साँप चाँदनी रात में कुएँ से बाहर निकलता है। उसके काटने से कई बकरियाँ मर गईं हैं। आँचल ने गाँव में ऊँट की सवारी भी की।

'अः' की मात्रा- विसर्ग (ः)

समझिए और सीखिए–

6

छ्+अ+ः= छः न्+अ+म्+अ+ः = नमः

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

नमः	पुनः	अक्षरशः	निःसहाय
प्रातः	शनैः	अंतःपुर	निःसंदेह
अतः	परितः	अंतःकरण	दुःसाहस

अब पढ़िए–

जनक प्रातः उठ। छः बज गए हैं। शनैः - शनैः चलकर पाठशाला जा। छः का पहाड़ा याद कर। गुरु को नमः कह। अपना पाठ अक्षरशः याद कर। निःसहाय की सहायता कर। झूठ बोलने का दुःसाहस मत कर। पुनः - पुनः भगवान को याद कर। अंतःकरण को साफ कर। प्रायः गलती मत कर।

अभ्यास

1. चित्रों को उनके नाम से मिलाइए—

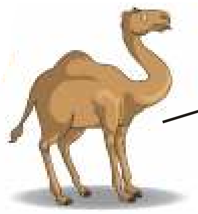

ऊँट

साँप

कंघा

चाँद

बाँसुरी

अंगूर

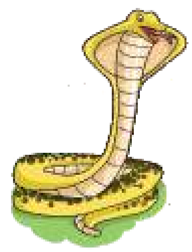

2. चित्र देखकर सही वर्ण पर (ं) अथवा (ँ) लगाइए—

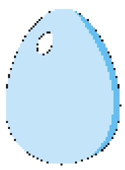
अडा

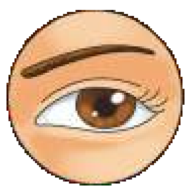
आख

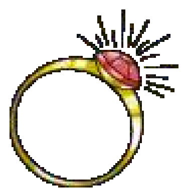
अगूठी

शख

मुह

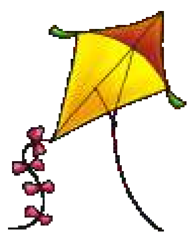
पतग

3. दिए गए शब्दों से खाली जगह भरिए—

छः, छिपकलियाँ, पुनः, पतंग, अँधेरा

(i) जंगल में ________ हो गया।

(ii) दीवार पर ________________ हैं।

(iii) आनंद ने ________________ उड़ाई।

(iv) शोभा सुबह ________________ बजे उठती है।

(v) अपनी बात ________________ कहो।

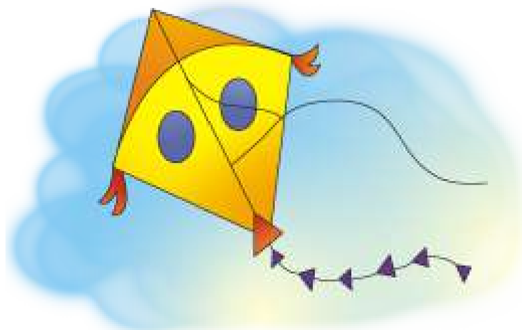

4. पढ़िए और अंतर पहचानिए—

घटा	घंटा
गदा	गंदा
कहा	कहाँ
आधी	आँधी
पूछ	पूँछ
काटा	काँटा

5. समझिए और शब्द बनाइए—

आँ	ख	आँख
	चल	
	गन	
	धी	
	वला	

'ड़' व 'ढ़' का प्रयोग

'ड़' व 'ढ़' का उच्चारण 'ड' तथा 'ढ' से अलग होता है। 'ड़' तथा 'ढ़' से कोई भी शब्द आरंभ नहीं होता। ये सदैव शब्दों के बीच में अथवा अंत में आते हैं।

ड	+	.	=	ड़	-	चौड़ाई
ढ	+	.	=	ढ़	-	पढ़ाई

समझिए और सीखिए–

घ् + अ + ड़् + ी = घड़ी

स् + ी + ढ़् + ी = सीढ़ी

'ड़' व 'ढ़' के प्रयोग वाले कुछ शब्द इस प्रकार हैं-

घड़ी	थोड़ा	लड़ाई	अड़चन	चढ़	बढ़ई
छड़ी	चौड़ा	चौड़ाई	गड़बड़	पढ़	पढ़ाई
बड़ी	पूड़ी	बड़ाई	बिगड़ैल	बाढ़	कढ़ाई
लड़ी	झगड़ा	हथौड़ा	झगड़ालू	कढ़ी	चढ़ाई
पड़ी	पहाड़	पकौड़ी	हड़बड़ाना	सीढ़ी	बढ़िया

अभ्यास

1. उचित स्थान पर 'ड़' अथवा 'ढ़' भरकर सही शब्द बनाइए–

घ____ी

सी____ी

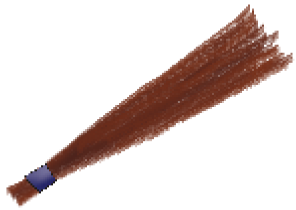

झा____ू

क____ाही

हथौ____ी

छ____ी

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(i) माँ ने ____________ बनाई है। (पूड़ी/पूढ़ी)

(ii) सरला मेरी ____________ बहन है। (बड़ी/बढ़ी)

(iii) ____________ ने सुंदर कुरसी बनाई। (बढ़ई/बड़ई)

(iv) हिमालय ____________ बहुत ऊँचा है। (पहाड़/पहाढ़)

(v) तुम्हारी ____________ कैसी चल रही है? (पड़ाई/पढ़ाई)

'र' रेफ की मात्रा (र्‍)

समझिए और सीखिए–

स्+ ू+ र्‍ +य्+अ = सूर्य

प्+ा+ र्‍ +क्+अ = पार्क

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

कर्म	पार्क	अर्पण	अर्चना	पर्यटन
धर्म	मार्ग	दर्पण	गर्वित	आकर्षक
शर्म	दीर्घ	गर्जन	वर्णित	समर्पित
कर्ज	सर्दी	तर्जन	वार्षिक	आशीर्वाद
गर्व	गर्मी	शर्बत	कार्तिक	परिवर्तन

अब पढ़िए–

अर्पिता सर्प से दूर रह। देश पर गर्व कर। कमला पार्क में घूम। भावना उचित मार्ग पर चल। बड़ों का आशीर्वाद ले। अधिक बर्फ मत खा। आकर्षक कपड़े पहन। गर्म चाय मत पी। अर्चना फूल मत तोड़। शर्बत पीकर गर्मी को दूर कर।

अध्यापन-निर्देश–बच्चों को बताएँ कि आधा 'र' रेफ के रूप में प्रयोग होता है। शब्दों में जिस स्थान पर आधा 'र' प्रयुक्त होता है, उसके बाद वाले वर्ण पर रेफ़ (र्‍) लगता है।

‘र’ पदेन की मात्रा (्र, ्र)

समझिए और सीखिए–

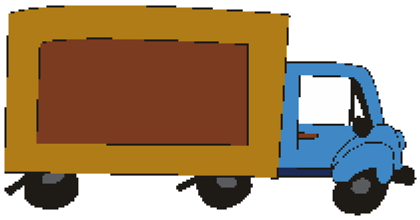

ट्+्र+अ+क्+अ = ट्रक

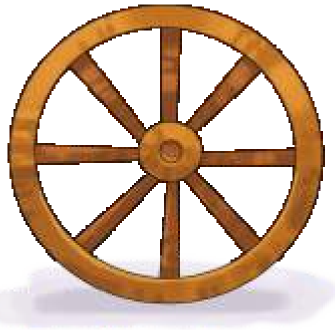

च्+अ+ क्+्र+अ = चक्र

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

क्रम	ट्राम	प्रथम	विक्रम	ड्राइवर
ट्रक	प्रिय	भ्रमण	प्रतीक	परिक्रमा
चक्र	शीघ्र	प्रसाद	विनम्र	प्रचलित
भ्रम	ब्रुश	प्रकाश	प्रमोद	प्रभावित
ड्रम	क्रीड़ा	नम्रता	क्रमांक	विनम्रता

अब पढ़िए–

प्रमोद पाठ पढ़। ठाकुरजी का प्रसाद चख। भगवान की प्रार्थना कर। ट्रक पर मत चढ़। राधा बेकार भ्रम मत कर। ड्राइवर को बुला ला। नम्रता के साथ भ्रमण पर जा। अभी ड्रम मत बजा। विक्रम शीघ्र घर आ। मंदिर की परिक्रमा कर। प्रतीक विनम्र बन। प्रमोद को शीघ्र प्रसाद दे।

अध्यापन-निर्देश–बच्चों को बताएँ कि जब किसी आधे-वर्ण के बाद पूरा ‘र’ आता है तो उसे वर्ण के साथ पदेन (्र , ्र) रूप में प्रयोग किया जाता है। इस स्थिति में वर्ण को पूरा लिखकर उसके साथ ‘र’ पदेन रूप में (्र, ्र) प्रयुक्त होता है।

अभ्यास

1. चित्र के सही नाम पर ✓ लगाइए—

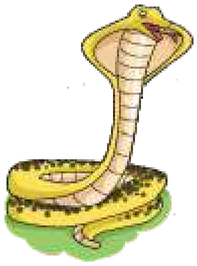

नेवला ☐ सर्प ☐

ड्रम ☐ सितार ☐

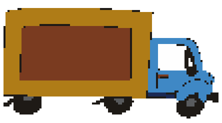

रेल ☐ ट्रक ☐

बर्तन ☐ गर्दन ☐

2. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए—

(i) स्+अ+ र् +द्+ ी = ____________

(ii) व्+ि+ न्+अ+म्+ ्र +अ = ____________

(iii) व्+ा+ र् +ष्+ ि +क्+अ = ____________

(iv) प्+ ्र +अ+च्+अ+ल्+ ि +त्+अ = ____________

(v) ड्+ ्र +अ+म्+अ = ____________

(vi) श्+ ी +घ्+ ्र +अ = ____________

(vii) व्+ ि +क्+ ्र +अ + म् +अ = ____________

3. उचित वर्ण पर रेफ (ˆ) अथवा ‘र’ पदेन (्र , ॒) लगाकर सही शब्द लिखिए–

सूय =	______	दपण =	______
पाक =	______	पमोद =	______
पथम =	______	आकषक =	______
डाइवर =	______	अचना =	______

4. चित्रों के नामों की सहायता से खाली स्थान भरिए–

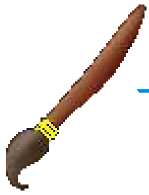 ______ से रंग भर। सड़क पर 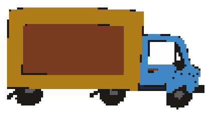 ______ खड़ा है।

नम्रता ______ में टहल। ______ टोकरी में रख।

______ में मुख देख। 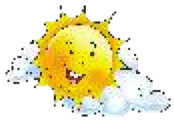 ______ निकल आया।

5. समझिए और शब्द बनाइए–

प्र +	शब्द
मुख	प्रमुख
काश	
गति	
दीप	
भाव	
बल	

संयुक्त व्यंजन

समझिए और सीखिए–

प्+अ+त्+र्+अ = पत्र

य्+अ+ज्+ञ्+अ = यज्ञ

शब्दों का उच्चारण कीजिए–

पक्ष	ज्ञान	मित्र	पत्रक	परीक्षा	यज्ञशाला
यज्ञ	क्षमा	चित्र	नक्षत्र	जिज्ञासा	छात्रावास
श्रम	मात्र	नेत्र	लक्षण	क्षत्रिय	पत्राचार
कक्ष	छात्र	पक्षी	अज्ञात	त्रिशूल	परीक्षण
वृक्ष	प्रज्ञा	श्रेय	अज्ञान	विज्ञान	सर्वेक्षण

अब पढ़िए–

श्रवण मेरा मित्र है। वह कक्षा एक का छात्र है। वह परीक्षा के लिए श्रम से पढ़ता है। श्रेयस और प्रज्ञा भी मेरे मित्र हैं। वे छात्रावास में रहते हैं। कल उनकी विज्ञान की परीक्षा है। वृक्ष पर पक्षी है। ज्ञानेश उसका चित्र बना रहा है। रक्षित अपने मित्र को पत्र लिख रहा है। उसके मित्र का नाम सक्षम है। रक्षित अपनी सफलता का श्रेय अपने मित्र को देता है।

संयुक्त अक्षर

संयुक्त अक्षर, एक आधा अक्षर और एक पूरा अक्षर मिलने से बनता है। कुछ संयुक्त अक्षर नीचे दिए गए हैं—

आधा अक्षर	पूरा अक्षर	संयुक्त अक्षर	
1. क् (क)	+ क	= क्क	चक्का, छक्का, सिक्का, पक्का, टिक्का।
2. क् (क)	+ य	= क्य	क्या, क्यारी, क्यों, क्योंकि।
3. ख् (ख)	+ त	= ख्त	तख्त, पुख्ता, सख्त।
4. ट्	+ ट	= ट्ट	खट्टा, भुट्टा, मिट्टी, छुट्टी, पट्टी।
5. ट्	+ ठ	= ट्ठ	गट्ठा, चिट्ठी, मट्ठा, मिट्ठू।
6. च् (च)	+ च	= च्च	कच्चा, सच्चा, बच्चा।
7. च् (च)	+ छ	= च्छ	अच्छा, लच्छा, अच्छाई, बिच्छू।
8. त् (त)	+ त	= त्त	सत्ता, पत्ती, छत्ता, कुत्ता, रत्ती।
9. त् (त)	+ य	= त्य	सत्य, नित्य, त्याग।
10. द्	+ द	= द्द	गद्दा, दद्दा, लद्दाख।
11. द्	+ ध	= द्ध	सिद्ध, युद्ध, गिद्ध, श्रद्धा।
12. द्	+ व	= द्व	द्वार, द्वारिका, द्वारिकाधीश, द्वीप।
13. न् (न)	+ न	= न्न	अन्न, भिन्न, सन्नाटा, पन्ना।
14. न् (न)	+ ह	= न्ह	कान्हा, नन्हा, कन्हाई।
15. प् (प)	+ त	= प्त	सप्त, लुप्त, समाप्त, प्राप्त, सप्ताह।
16. प् (प)	+ य	= प्य	प्याज, प्यास, प्यारा, प्याला।
17. स् (स)	+ स	= स्स	रस्सा, हिस्सा, लस्सी, अस्सी, किस्सा।
18. ह्	+ म	= ह्म	ब्रह्मा, ब्राह्मण, ब्राह्मणी।

अभ्यास

1. चित्र का नाम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(i) यह ______ बहुत घना है।

(ii) इस ______ को भगाओ।

(iii) डाकिया ______ लाता है।

(iv) ______ फूल तोड़ रहा है।

(v) यह पान का 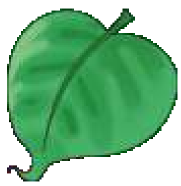 ______ है।

(vi) यह शिव जी का ______ है।

(vii) हाथी ______ खाता है।

बच्चा

पत्र

मच्छर

गन्ना

पत्ता

त्रिशूल

वृक्ष

2. वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(i) 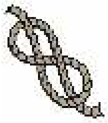 रस्सी = र्+अ+स्+स्+ी

(ii) पत्ता = ____________

(iii) 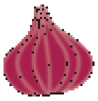 प्याज = ____________

(iv) 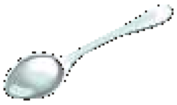 चम्मच = ____________

(v) 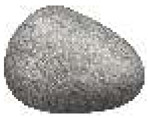 पत्थर = ____________

3. समझिए और लिखिए–

(i) चित्र = मित्र

(ii) सत्र = ____________

(iii) ज्ञान = ____________

(iv) रक्षक = ____________

(v) कक्ष = ____________

पत्र
मित्र
पक्ष
ज्ञात
भक्षक

4. संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को पहचानकर उन पर गोला (○) बनाइए–

पन्नी	लिखना	धक्का	मगर
रमेश	जलेबी	टिन्नी	बच्चा
ऋषिका	रस्सी	गगन	प्याला
गाड़ी	कार	शक्कर	कुत्ता
चक्का	घड़ी	पत्थर	खरगोश

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः

द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः

अभ्यास

उदाहरण के अनुसार दिए गए वर्णों पर 'आ' से 'अः' तक की सभी मात्राएँ लगाकर लिखिए—

क - का कि की कु कू के कै को कौ कं कः ।

ख - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

ग - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

घ - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

च - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

ज - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

त - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

द - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

ध - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

न - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

प - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

ब - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

म - ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ____ ।

1

प्रार्थना

प्रस्तुत प्रार्थना में बच्चे भगवान से विद्या का वरदान माँग रहे हैं। वे बड़े होकर अपना व अपने देश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

भगवन! हम सब करें प्रणाम,
सबसे ऊँचा आपका नाम।
विद्या का दे दो वरदान,
जिससे बढ़े हमारा मान।।

गुरुओं को दें हम सम्मान,
और पढ़ाई में हो ध्यान।
सदा धर्म के साथ रहें,
मेहनत से हम नहीं डरें।।

पढ़ें-लिखें और बनें महान,
ऊँचा करें देश का नाम।
सारे जग की हों हम शान,
सबको हम पर हो अभिमान।।

कठिन शब्द

प्रणाम ■ विद्या ■ ध्यान ■ धर्म ■ ऊँचा ■ अभिमान

शब्दार्थ

प्रणाम	–	नमस्ते	**वरदान**	–	आशीर्वाद
सम्मान	–	आदर	**अभिमान**	–	गर्व

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   प्रणाम, विद्या, सम्मान, अभिमान
2. संसार को किसने बनाया है ?
3. बच्चे किसका वरदान माँग रहे हैं ?
4. बच्चे किसको सम्मान देना चाहते हैं ?
5. बच्चे पढ़-लिखकर क्या बनना चाहते हैं ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. बच्चे किसे प्रणाम कर रहे हैं ?

उत्तर- बच्चे ________ को प्रणाम कर रहे हैं।

2. बच्चे अपना ध्यान किसमें लगाना चाहते हैं ?

उत्तर- बच्चे अपना ध्यान __________ में लगाना चाहते हैं।

3. बच्चे किससे नहीं डरने के लिए कह रहे हैं ?

उत्तर- बच्चे __________ से नहीं डरने के लिए कह रहे हैं।

ग. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. भगवन ! हम सब करें __________ ,
   सबसे __________ आपका नाम।
2. सदा __________ के साथ रहें ,
   __________ से हम नहीं डरें।।

अब भाषा की बात

क. निम्नलिखित शब्दों को सही करके लिखिए–

1. प्रनाम __________ 2. विधया __________
3. पड़ाई __________ 4. देस __________
5. अभीमान __________ 6. मैहनत __________

ख. समान लय वाले शब्द लिखिए–

1. काम __________ 2. शान __________
3. सम्मान __________ 4. रहें __________

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ , बात करें–

प्रस्तुत 'प्रार्थना' में बच्चों ने भगवान से वरदान में क्या-क्या माँगा है ? बताइए। यदि ईश्वर आपसे कोई एक वरदान माँगने को कहें तो आप उनसे क्या माँगेंगे ?

ख. कुछ और जानें–

पूरे विश्व का पालनहार एक ही है। उसे ही हम सब अनेक नामों से पुकारते हैं। ईश्वर ने संसार में बहुत से पर्वतों, नदियों, जंगलों, फूलों और जीव-जंतुओं को बनाकर इसे बहुत ही सुंदर बनाया है। इसके लिए हमें सदैव ईश्वर का धन्यवाद करना चाहिए।

ग. कलाकारी दिखाएँ–

नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए।

2

चतुर कौआ

प्रस्तुत चित्रकथा में कौए की चतुराई के बारे में बताया गया है। लोमड़ी चालाकी से कौए की रोटी पाना चाहती थी। परंतु कौए ने उसकी कोई भी चाल सफल नहीं होने दी।

एक पेड़ पर एक कौआ बैठा था। उसके मुँह में रोटी का एक टुकड़ा था। उधर से ही एक भूखी लोमड़ी गुजर रही थी। उसने चालाकी से कौए से रोटी का वह टुकड़ा पाना चाहा।

कौए की चतुराई के सामने लोमड़ी की एक न चली। वह निराश होकर तुरंत ही वहाँ से चली गई।

कठिन शब्द

टुकड़ा ■ कृपया ■ अच्छा ■ भौचक्की

शब्दार्थ

चालाकी – दुष्टता **चतुराई** – होशियारी

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   कौआ, टुकड़ा, भूखी, काँव-काँव, थोड़ा
2. रोटी का टुकड़ा किसके पास था?
3. लोमड़ी रोटी का टुकड़ा क्यों पाना चाहती थी?
4. लोमड़ी ने कौए से क्या-क्या करने को कहा?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. कौआ कहाँ बैठा था?

उत्तर- कौआ ______________ बैठा था।

2. कौए के पास क्या था?

उत्तर- कौए के पास ______________ था।

3. रोटी का टुकड़ा कौन पाना चाहता था?

उत्तर- रोटी का टुकड़ा ______________ पाना ______________ ।

4. क्या लोमड़ी को रोटी का टुकड़ा मिला ?

उत्तर- ____________________

ग. निम्नलिखित वाक्यों के सामने कहानी के अनुसार क्रमांक लिखिए–

☐ कौए ने रोटी को पैर से पकड़ लिया।

☐ पेड़ के नीचे से भूखी लोमड़ी गुजर रही थी।

☐ लोमड़ी निराश होकर वापस चली गई।

☐ लोमड़ी ने कौए को नाचकर दिखाने को कहा।

☐ कौए ने लोमड़ी को गाना सुनाया।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. कौए के पास क्या था ?

   (i) रोटी का टुकड़ा ☐ (ii) बादाम ☐ (iii) माँस का टुकड़ा ☐

2. पेड़ के नीचे से कौन गुजरा ?

   (i) गधा ☐ (ii) हाथी ☐ (iii) लोमड़ी ☐

3. गाना गाते समय कौए ने रोटी किस से पकड़ी ?

   (i) पंख से ☐ (ii) मुँह से ☐ (iii) पैर से ☐

अब भाषा की बात

क. रंगीन वर्ण पर सही मात्रा लगाकर शब्द बनाइए–

(i) क आ ____________ (ii) रोट ____________ (iii) टकड़ा ____________

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित में से बहुवचन वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. (i) रोटी ☐ (ii) रोटियाँ ☐ (iii) टुकड़ा ☐

2. (i) पेड़ ☐ (ii) फूल ☐ (iii) पत्ते ☐

3. (i) कुर्सियाँ ☐ (ii) मेज ☐ (iii) अलमारी ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

1. कौआ क्या-क्या खा लेता है? बताइए तो।
2. क्या कौआ सच में मीठा बोलता है? किस पक्षी की बोली मीठी होती है? सोचिए और बताइए।

ख. आपके विचार से–

पेड़ पर कौन-कौन चढ़ सकता है? उस पर गोला बनाइए–

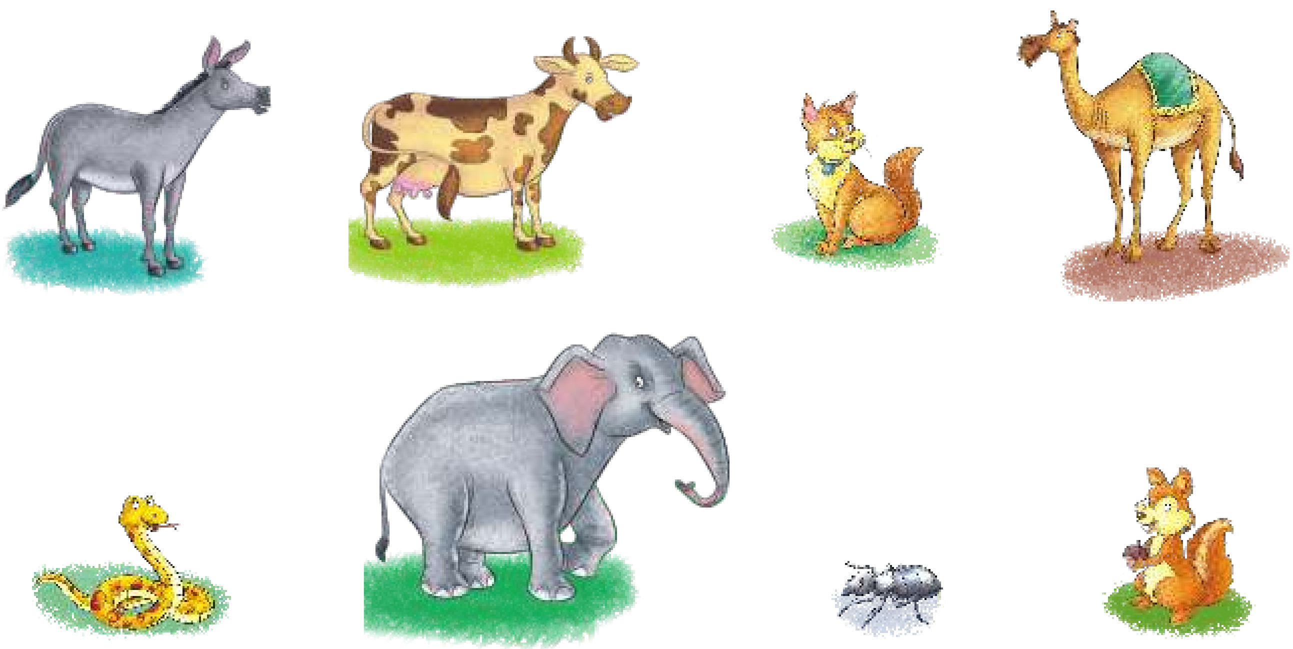

ग. कुछ और करके देखें–

1. अपने घर के आँगन अथवा छज्जे पर पक्षियों के पीने के लिए पानी रखिए और वहाँ पर आने वाली चिड़ियों को देखकर उनकी आदतों को जानिए।
2. अवसर मिलने पर चिड़ियाघर देखने के लिए जाइए।

3

एक-दूसरे का सहारा

प्रस्तुत कहानी में पत्ते व मिट्टी के ढेले के माध्यम से बताया गया है कि सभी को एक-दूसरे के साथ सहयोग की आवश्यकता पड़ती है। पत्ते और ढेले को एक-दूसरे के सहारे की आवश्यकता कब और क्यों हुई ? कहानी पढ़िए और जानिए।

नदी के किनारे पीपल का एक पेड़ था। मौसम बदलने पर जब पतझड़ की ऋतु आई, पीपल के पत्ते पीले पड़ने लगे। पीले पत्ते थोड़े ही दिनों में झड़ जाते हैं।

एक दिन तेज हवा चलने लगी और पीपल का एक पत्ता नीचे गिर पड़ा। पीपल के पेड़ के नीचे मिट्टी के ढेले पड़े थे। पत्ते ने एक ढेले से विनती की, ``भैया, मुझे सहारा दो, नहीं तो हवा मुझे मेरे साथी पत्तों से दूर ले जाएगी।''

ढेला घमंडी था। उसने पत्ते को सहारा देने से साफ इनकार कर दिया। इतने में हवा और तेज बहने लगी। हवा के साथ पत्ता भी उड़ने लगा।

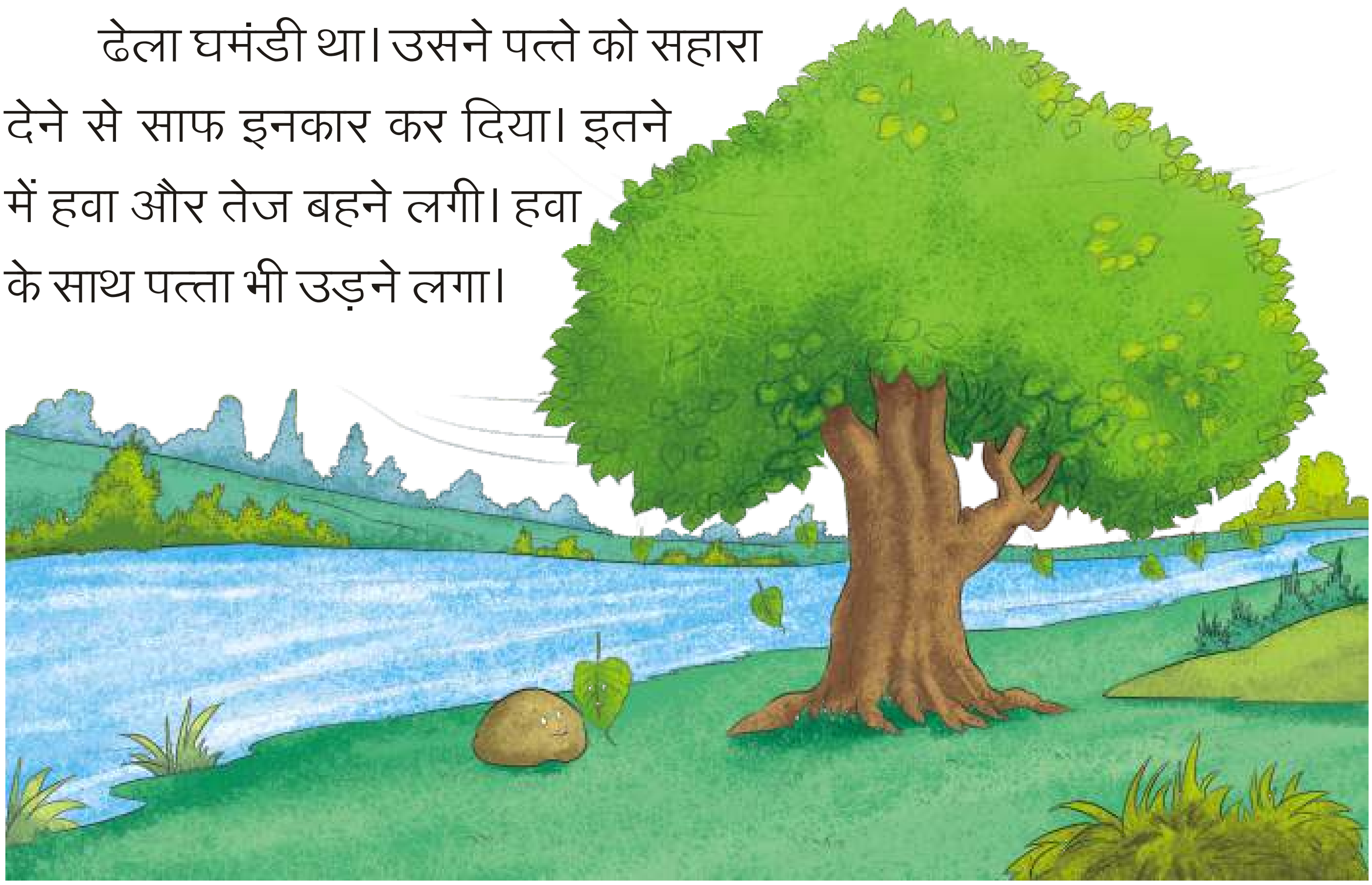

कुछ ही देर में पानी की बूँदें भी धीरे-धीरे गिरने लगीं। अब ढेला घबराया। तभी पीपल के पेड़ से एक दूसरा पत्ता नीचे गिरा। वह भी ठीक उसी ढेले के नजदीक गिरा। ढेले ने उससे सहायता माँगी, ``पत्ते भैया, तुम मुझे ढक दो। मेरे ऊपर पानी की ज्यादा बूँदें पड़ीं तो मैं गल जाऊँगा।''

पत्ता बोला–``परंतु कुछ देर पहले ही तुमने एक पत्ते को सहारा नहीं दिया था। अब मैं तुम्हारी सहायता क्यों करूँ?''

इतने में ही आकाश में जोर-जोर से बादल गरजने लगे। थोड़ी-ही देर में बरसात शुरू होने की संभावना थी। काले घने बादलों को देखकर ढेला डर गया। ढेले ने पत्ते से फिर कहा–``पत्ते भैया, मुझे अपनी गलती समझ आ गई है। मुझे माफ कर दो और कृपया मेरी सहायता करो।'' अब पत्ते को दया आ गई। वह बोला, ``ठीक है, ढेले भैया! मैं तुम्हें ढक देता हूँ।'' तभी तेज बरसात शुरू हो गई।

पत्ता उड़कर ढेले के ऊपर आ गया। कुछ अन्य पत्तों को भी उसने सहायता के लिए बुला लिया। थोड़ी-ही देर में बरसात थम गई। ढेला भीगने से बच गया।

पत्ता बोला–``ढेले भाई, सदा याद रखना, हम सभी को एक-दूसरे के सहारे की आवश्यकता होती है। एक-दूसरे के सहारे ही जीवन चलता है।''

कठिन शब्द

मौसम ■ पतझड़ ■ मिट्‌टी ■ इनकार
ज्यादा ■ संभावना ■ कृपया ■ आवश्यकता

शब्दार्थ

पतझड़	– पत्तों का पेड़ों से अपने-आप गिरना	**ऋतु**	– मौसम
विनती	– प्रार्थना	**इनकार करना**	– मना करना
नजदीक	– पास में	**ज्यादा**	– अधिक
सहायता	– मदद	**आवश्यकता**	– जरूरत

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   पतझड़ , ऋतु , ढेले , संभावना , कृपया , आवश्यकता
2. पतझड़ की ऋतु में पत्ते कैसे हो जाते हैं ?
3. ढेला क्यों घबरा गया था ?
4. ढेले द्‌वारा सहायता माँगने पर दूसरे पत्ते ने क्या कहा ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. नदी के किनारे किसका पेड़ था ?

2. पीपल के पत्ते ने किससे सहायता माँगी ?
3. घमंडी कौन था ?
4. ढेला क्यों घबरा गया था ?
5. ढेले की सहायता किसने की ?

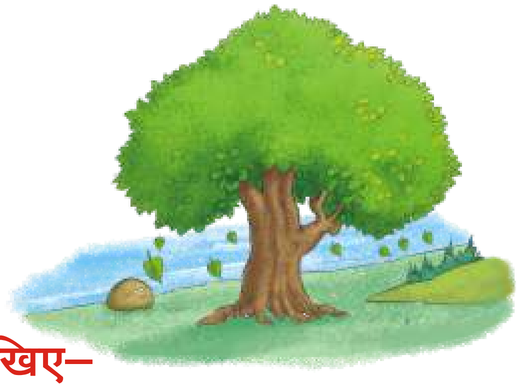

ग. कहानी के आधार पर वाक्यों के सामने क्रमांक लिखिए–

1. ढेले ने पत्ते की सहायता नहीं की। ☐
2. ढेले को पत्तों ने ढक लिया। ☐
3. पीपल के पत्ते पीले पड़ने लगे। ☐
4. पानी की बूँदें धीरे-धीरे गिरने लगीं। ☐
5. पीपल का एक पत्ता नीचे गिर पड़ा। ☐

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. नदी के किनारे किसका पेड़ था ?
   (i) आम का ☐ (ii) पीपल का ☐ (iii) नीम का ☐
2. पतझड़ की ऋतु में पत्ते कैसे पड़ गए थे ?
   (i) हरे ☐ (ii) लाल ☐ (iii) पीले ☐
3. ढेले की सहायता किसने की ?
   (i) पत्तों ने ☐ (ii) बादल ने ☐ (iii) पेड़ ने ☐

अब भाषा की बात

क. पाठ में से ढूँढ़कर 'ई' की मात्रा (ी) वाले शब्द लिखिए–

पीपल ____________ ____________ ____________ ____________

ख. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. नदी के किनारे पीपल का पेड़ ________ । (था/थी)
2. पतझड़ की ऋतु ________। (आया/आई)
3. पत्ता ढेले के नजदीक ________। (गिरी/गिरा)
4. पत्ते को दया आ ________ । (गई/गया)

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्द के समान अर्थ वाले शब्द पर ✓ लगाइए–

1. आकाश–

   (i) आसमान ☐ (ii) सूरज ☐ (iii) चिड़िया ☐

2. पेड़–

   (i) फूल ☐ (ii) पत्ता ☐ (iii) वृक्ष ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आपके विचार से–

1. जब पत्ते ने ढेले से सहायता माँगी तो ढेले को क्या करना चाहिए था ? यदि आप ढेले की जगह होते तो पत्ते से क्या कहते ?
2. पेड़ बहुत से पशु-पक्षियों को आश्रय भी देते हैं। क्या आप बता सकते हैं कि पेड़ों पर कौन-कौन से पशु-पक्षी रहते हैं ?

ख. बूझो तो जानें–

नीचे लिखी पहेली को ध्यान से पढ़िए और उसका हल बताइए–

पास जो आओ छाया दूँ मैं
भूख लगे तो दूँ मैं फल।
चिड़िया, बंदर और गिलहरी,
डालों पर करते हलचल।

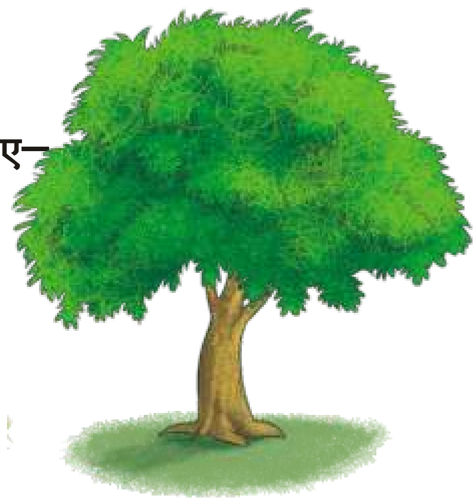

ग. कुछ और करके देखें–

कौन-सा फल किस पेड़ पर लगता है? पहचानिए और मिलाइए–

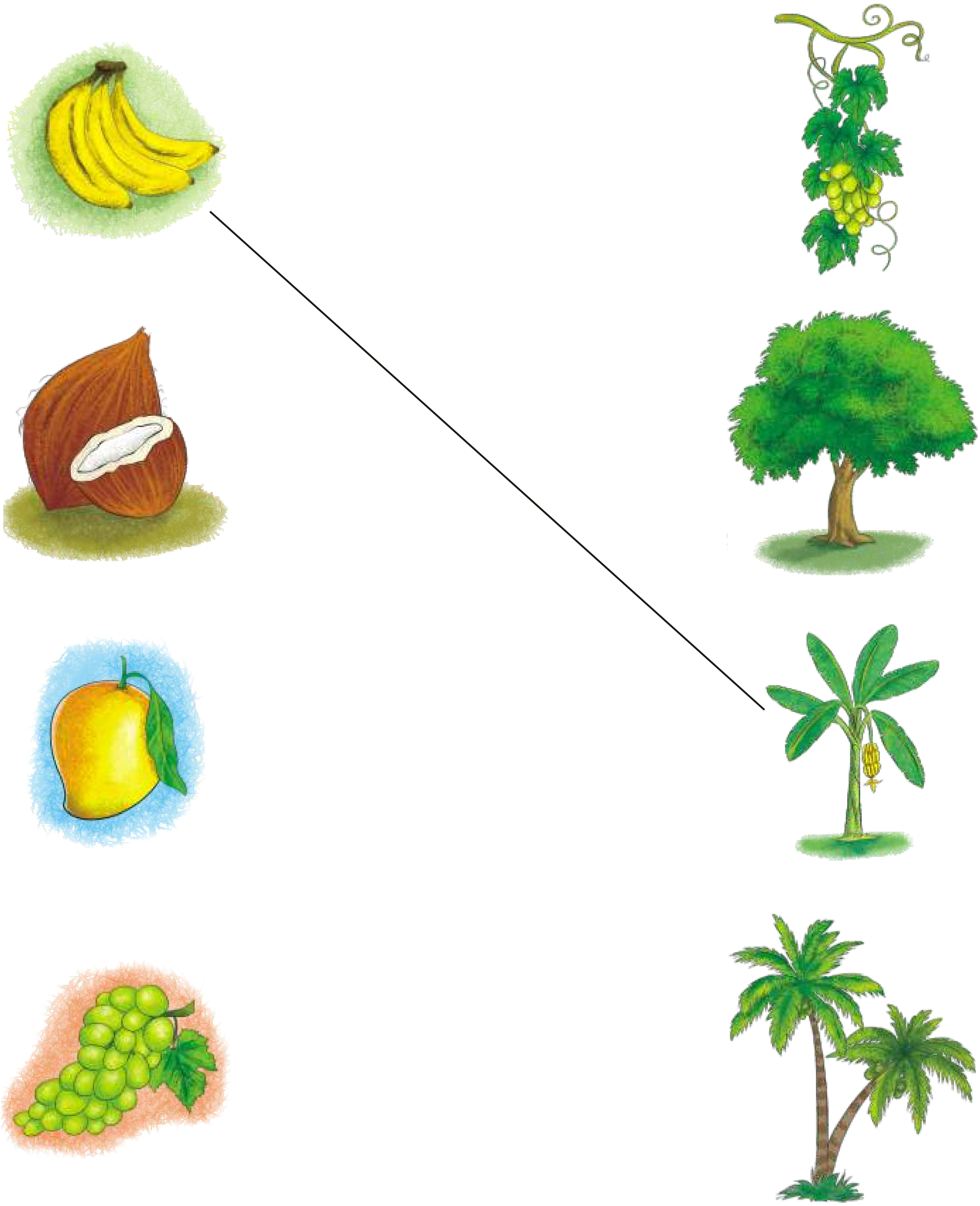

केवल पढ़ने के लिए

वे बच्चे अच्छे लगते हैं...

हाथ जोड़कर, शीश झुकाकर,
धीरे-से थोड़ा मुसकाकर,
मीठे स्वर में, पलक झुकाकर,
सदा नमस्ते जो करते हैं,
वे बच्चे अच्छे लगते हैं।

शीतल जल से नित्य नहाकर,
स्वच्छ वेश धारण करते हैं,
आँख, नाक, मुँह, नाखूनों को,
जो अपने साफ सदा रखते हैं,
वे बच्चे अच्छे लगते हैं।

कभी किसी की वस्तु न छूते,
बुरा न कहते, बुरा न सुनते,
चोरी और बुरे कामों को,
जो मन से दूर सदा रखते हैं,
वे बच्चे अच्छे लगते हैं।

फल-फूलों से लदकर जैसे,
पेड़ सदा ही झुक जाते हैं।
ऐसे ही अच्छे गुण पाकर,
जो सदा नम्रता दिखलाते हैं,
वे बच्चे अच्छे लगते हैं।

4

चंदा मामा

प्रस्तुत कविता में बच्चों के प्यारे चंदा मामा के बारे में बताया गया है। रात के समय जब चंदा मामा तारों के साथ आसमान में आते हैं तब वे बहुत सुंदर लगते हैं।

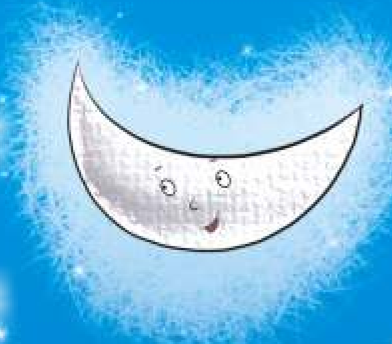

रोज रात को तारों के संग
आ जाते चंदा मामा।
तारों के संग बीच गगन में
सबको भाते चंदा मामा।।

साँझ हुए जब यहाँ-वहाँ तक
अँधियारा घिर आता है।
तब हम सबको राह दिखाते
प्यारे-प्यारे चंदा मामा।।

काले-काले बादल जब
नभ में आकर छा जाते हैं।
लुका-छिपी का खेल दिखाते
हैं प्यारे चंदा मामा।।

वर्षा में जब बादल गरजें
झड़ी लगे जब बूँदों की।
भीग न जाएँ यही सोचकर
छिप जाते चंदा मामा।।

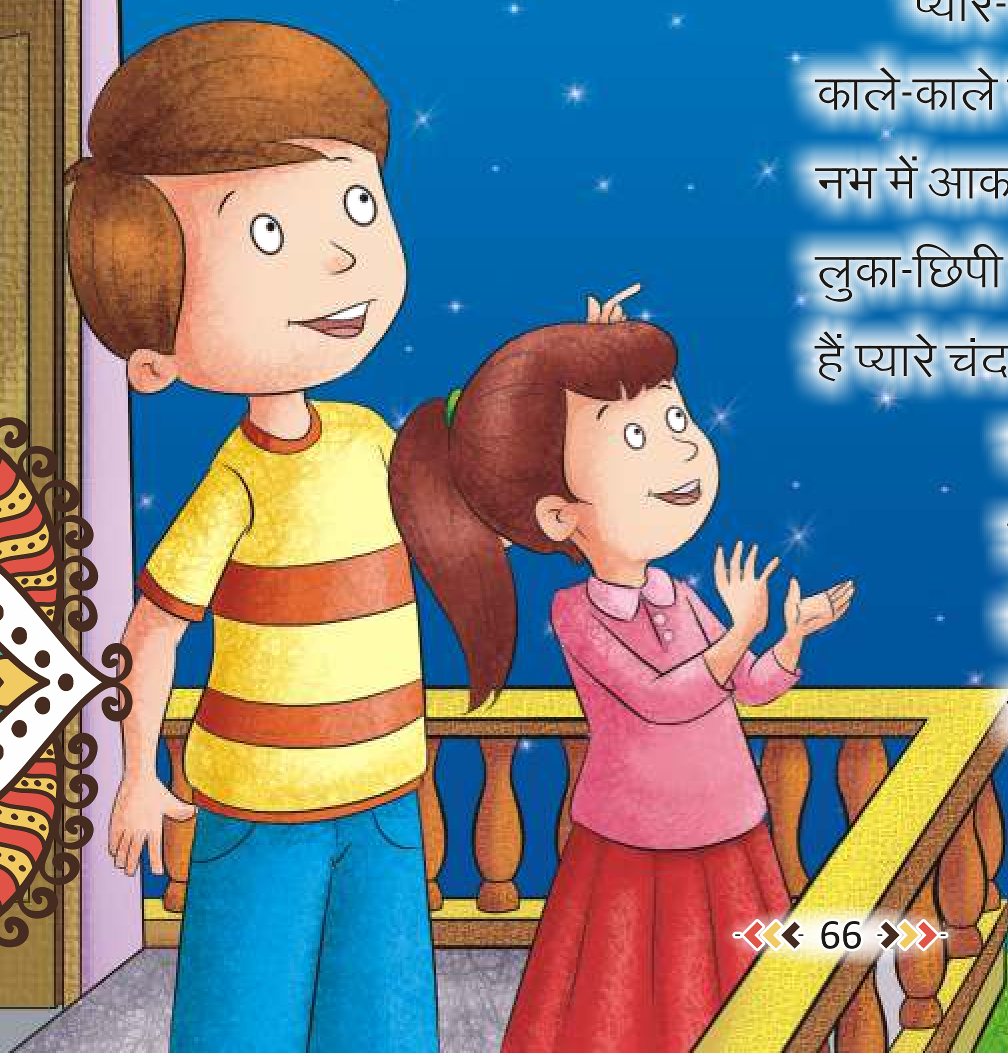

कठिन शब्द

संग ■ साँझ ■ अँधियारा ■ लुका-छिपी ■ वर्षा ■ झड़ी

शब्दार्थ

गगन	–	आसमान	**साँझ**	–	शाम
भाते	–	अच्छे लगते	**अँधियारा**	–	अँधेरा
राह	–	रास्ता	**नभ**	–	आसमान

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   संग , साँझ , अँधियारा , नभ , वर्षा , झड़ी
2. चंदा मामा कब दिखाई देते हैं ?
3. चंदा मामा लुका-छिपी का खेल कब दिखाते हैं ?
4. चंदा मामा क्या सोचकर छिप जाते हैं ?

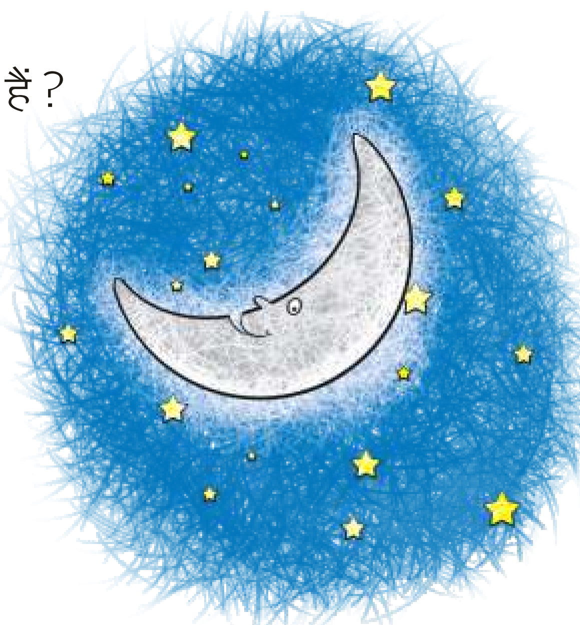

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. रोज ________ तारों के संग
   आ जाते ________।
2. काले-काले ________ जब
   ________ में आकर छा जाते हैं।

3. ________ न जाएँ यही सोचकर
________ जाते चंदा मामा।।

ग. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

1. चंदा मामा रात को आते हैं। ☐
2. चंदा मामा के संग सूरज आता है। ☐
3. चंदा मामा दिन में राह दिखाते हैं। ☐
4. चंदा मामा सबको अच्छे लगते हैं। ☐

अब भाषा की बात

क. वर्णों के सही मेल से शब्द बनते हैं। निम्नलिखित वर्णों के क्रम को ठीक करके शब्द बनाइए–

ल बा द ________ आ र क ________

ग न ग ________ त रा ________

ख. चंद्रबिंदु की मात्रा वाले चार शब्द लिखिए–

________ ________ ________ ________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के समान लय वाले शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. रात – (i) बात ☐ (ii) नभ ☐ (iii) चंदा ☐
2. बादल– (i) काले ☐ (ii) चावल ☐ (iii) गरजे ☐
3. भाते – (i) आकर ☐ (ii) जाते ☐ (iii) मामा ☐
4. खेल– (i) मेल ☐ (ii) गेंद ☐ (iii) रोज ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, चाँद की रोशनी को चाँदनी कहते हैं। चाँद को उसकी रोशनी सूरज से मिलती है, और इसी रोशनी के कारण चाँद चमकता हुआ दिखाई देता है।

ख. अनुमान लगाएँ–

हम मौसम के अनुसार अलग-अलग वस्तुएँ प्रयोग करते हैं। सोचिए कि किस वस्तु का संबंध किस मौसम से है? उनका मिलान कीजिए–

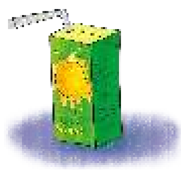

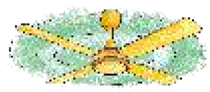

ग. कलाकारी दिखाएँ–

सुनहरे व चमकीले कागज से चाँद-तारे बनाकर नीचे दी गई जगह को सजाइए।

5

सात पूँछों वाला चूहा

प्रस्तुत कहानी एक चूहे की कहानी है। उस चूहे की सात पूँछें थीं। उसने एक-एक करके अपनी सारी पूँछें कटवा दीं। क्यों .... ? यह जानने के लिए कहानी को पढ़ो और समझो।

एक था चूहा। उस चूहे की सात पूँछें थीं। इस कारण उसके सारे दोस्त उसे चिढ़ाते थे –``सात पूँछ का चूहा, सात पूँछ का चूहा।'' तंग आकर चूहा एक दिन दर्जी से बोला, ``दर्जी काका! सब मुझे `सात पूँछ का चूहा' कहकर चिढ़ाते हैं, मेरी एक पूँछ काट दो।'' दर्जी ने उसे समझाया पर वह नहीं माना। आखिरकार दर्जी ने चूहे की एक पूँछ काट दी। अब उसके पास बची सिर्फ छः पूँछें। अगले दिन जैसे ही चूहा बाहर निकला, सब उसे फिर चिढ़ाने लगे –``छः पूँछ का चूहा आ गया, छः पूँछ का चूहा आ गया।'' चूहा फिर से परेशान हो गया। वह फिर दर्जी के पास गया और जिद करने लगा–``दर्जी काका, मेरी एक पूँछ और काट दो।'' दर्जी ने उसकी एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ पाँच पूँछें। पर अगले दिन सब उसे फिर चिढ़ाने लगे–``पाँच पूँछ का चूहा आ गया। देखो! पाँच पूँछ का चूहा आ गया।'' चूहे ने दर्जी से फिर जिद की, ``मेरे प्यारे काका, मेरी एक पूँछ

और काट दो।'' दर्जी ने उसकी एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ चार पूँछें। पर सब उसे फिर से चिढ़ाने लगे–``चार पूँछ का चूहा, चार पूँछ

का चूहा।'' चूहा रोता हुआ फिर दर्जी के पास पहुँचा। दर्जी ने उसकी जिद से परेशान होकर उसकी एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं सिर्फ तीन पूँछें। पर किसी ने उसे चिढ़ाना नहीं छोड़ा। अब वे कहते–``तीन पूँछ का चूहा, देखो। तीन पूँछ का चूहा।'' चूहा फिर रोता-रोता गया दर्जी के पास और पूँछ काटने की जिद करने लगा। दर्जी ने उसकी एक पूँछ और काट दी। अब उसके पास बचीं बस दो ही पूँछें। परंतु सब उसे अब भी चिढ़ाते ही रहे–``दो पूँछ का चूहा आया। देखो, दो पूँछ का चूहा आया।'' अब एक बार फिर से चूहा गया दर्जी के पास। दर्जी ने उसकी एक पूँछ और काट दी। अब वह एक पूँछ का चूहा हो गया था। पर सब ने अब भी उसे चिढ़ाना नहीं छोड़ा। अब सब कहते–``एक पूँछ का चूहा आया। एक पूँछ का चूहा।'' चूहा पहले तो खूब रोया और अंत में फिर पहुँचा दर्जी के पास। उसने जिद करके अपनी आखिरी पूँछ भी कटवा ली। अब वह बिना पूँछ का चूहा बन गया था। लेकिन फिर भी सब उसे चिढ़ाते, ``बिना पूँछ का चूहा आया, बिना पूँछ का चूहा आया।'' वह उदास होकर सोचने लगा कि `अब वह क्या करे!'

कठिन शब्द

पूँछें ■ दोस्त ■ चिढ़ाते ■ तंग ■ दर्जी ■ परेशान

शब्दार्थ

तंग आकर – परेशान होकर **सिर्फ** – केवल

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   सात, साथ, पूँछ, तंग, चिढ़ाने
2. चूहे की कितनी पूँछें थीं ?
3. चूहे ने अपनी पूँछें किससे कटवाईं ?
4. अंत में चूहा कैसा हो गया ?

ख. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने ✗ लगाइए–

1. चूहे की केवल एक पूँछ थी। ☐
2. सब लोग चूहे को चिढ़ाते थे। ☐
3. चूहा पूँछ कटवाने डॉक्टर के पास गया। ☐
4. पूँछें कटवाकर चूहा खुश था। ☐

ग. कहानी के अनुसार वाक्यों के सामने क्रमांक लिखिए–

☐ सब उसे चिढ़ाते, ``तीन पूँछ का चूहा, देखो! तीन पूँछ का चूहा।''
☐ उस चूहे की सात पूँछें थीं।
☐ सब मुझे `सात पूँछ का चूहा' कहकर चिढ़ाते हैं।
☐ चूहे की बस दो पूँछें बचीं।
☐ अब वह एक पूँछ का चूहा हो गया।

क. 'ऊ' की मात्रा (ू) वाले चार शब्द लिखिए–

चूहा ______ ______ ______ ______

ख. नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. माँ – ______
2. पूँछ – ______
3. दर्जी– ______
4. तीन – ______

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. छोटा – (i) बड़े ☐ (ii) बड़ा ☐ (iii) छोटे ☐
2. अंदर – (i) ऊपर ☐ (ii) बाहर ☐ (iii) नीचे ☐
3. पास – (i) दूर ☐ (ii) अभी ☐ (iii) यहाँ ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आपके विचार से–

सोचिए और बताइए, क्या-क्या कर पाते यदि–

1. आपके पास चार हाथ होते तो.....
2. यदि बंदर की दो पूँछें होतीं तो.....
3. चिड़ियों के भी लंबी-सी पूँछ होती तो.....
4. हाथी की पूँछ खूब लंबी होती तो.....
5. कुत्ते की पूँछ ही न होती तो.....

ख. कलाकारी दिखाएँ–

1. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करके उसमें रंग भरिए–

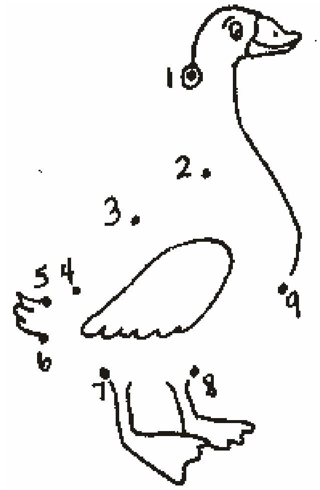

2. जानवरों को उनकी पूँछों से मिलाएँ–

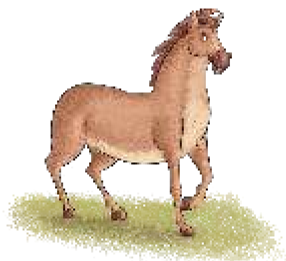

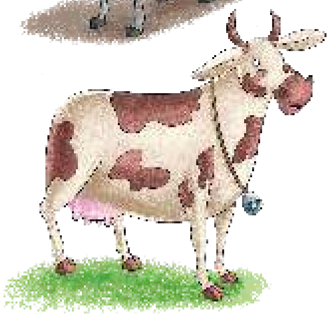

ग. आओ, बात करें–

सात पूँछें होने पर सब चूहे को चिढ़ाते थे। इससे चूहा परेशान हो जाता था। ऐसा करना गलत है। किसी में कोई कमी होने पर उसे चिढ़ाना नहीं चाहिए बल्कि सदैव उसका सहयोग करना चाहिए। आपको सदैव ही यह ध्यान रखना चाहिए कि आपके कारण किसी को कभी कोई दुख न पहुँचे।

केवल पढ़ने के लिए

प्रकृति के अजूबे

हरे-भरे वृक्ष और सुंदर व रंग-बिरंगे पुष्प सबका मन मोह लेते हैं। परंतु कुछ वृक्ष और फूल प्रकृति के अजूबे होते हैं। इन वृक्षों और फूलों में कुछ ऐसी विशेषताएँ होती हैं जो हमें चकित कर देती हैं।

आइए, ऐसे ही दो विचित्र पेड़ों के बारे में जानें–

रोटी वृक्ष– दक्षिण समुद्र में कई टापुओं में ऐसे वृक्ष होते हैं, जिनके फलों से रोटियाँ बनती हैं। इस वृक्ष पर लगने वाले फल को पकने से पहले ही तोड़ लिया जाता है और पतला-पतला काटकर आग पर सेंका जाता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सेंकने पर यह रोटी की तरह फूल जाता है। इसका स्वाद भी रोटी जैसा ही होता है। इसीलिए इस वृक्ष को 'ब्रेड-फ्रूट ट्री' कहते हैं।

पानी वृक्ष– रोटी देने वाले वृक्ष होते हैं तो पानी देने वाले वृक्ष क्यों नहीं होंगे? मेडागास्कर द्वीप में इस प्रकार के वृक्ष होते हैं जिनकी पत्तियों में छेद करने से पानी निकलता है। यात्री इस पानी से अपनी प्यास बुझा सकते हैं। इन वृक्षों को 'ट्रेवलर्स ट्री' कहते हैं। इन्हें 'सहायक वृक्ष' भी कहा जा सकता है।

6

मोर

बच्चो, आपने अपने घरों के आस-पास अनेक पक्षियों को देखा होगा। इस पाठ में राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में रोचक जानकारी दी गई है।

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। यह पक्षियों में सबसे अधिक सुंदर होता है।

मोर का आकार अन्य पक्षियों की तुलना में काफी बड़ा होता है। इसके शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके चमकीले नीले व हरे रंग के लंबे पंख होते हैं। इन पंखों पर भूरे और सुनहरे रंग से आँखों के समान आकृतियाँ बनी होती हैं।

मोर को वर्षा ऋतु बहुत पसंद होती है। आकाश में काले-काले बादलों को देखकर मोर अपने पंख फैलाकर खुशी से नाचने लगते हैं। नाचते हुए मोर बहुत ही आकर्षक लगते हैं। मोरनी के पंख छोटे होते हैं इसलिए वह मोर की तरह पंख फैलाकर नाच नहीं सकती।

मोर की गर्दन पतली, लंबी और नीले रंग की होती है। इसके सिर पर एक सुंदर कलगी भी होती है। मोर के लंबे पंखों के कारण मोर का शरीर काफी भारी हो जाता है इसलिए मोर अधिक ऊँचाई तक उड़ नहीं सकते। ये अधिकांशत: आस-पास के पेड़ों पर जाने के लिए ही उड़ते हैं।

मोर जंगलों, बाग-बगीचों, नदी-तालाबों और खेतों के किनारे पेड़ों के झुरमुटों आदि में रहना पसंद करते हैं।

मोर फसल को नुकसान पहुँचाने वाले कीड़े-मकोड़ों को खेतों में से बीनकर खा जाते हैं। इसी कारण इन्हें 'किसानों का मित्र' भी कहते हैं। मोर का भोजन अनाज के दाने , छोटे-छोटे कीड़े और कोपलें आदि हैं।

मोर के पैर पतले और अन्य पक्षियों से थोड़े लंबे होते हैं। मोर के पैर देखने में सुंदर नहीं होते परंतु इसके पंजे मजबूत और नुकीले होते हैं। यह अपने तीखे-नुकीले पंजों से साँप को भी मार देता है। इसीलिए इसे 'साँपों का शत्रु' भी कहा जाता है।

मोरनी झाड़ियों के पास गड्ढा खोदकर अपना घोंसला बनाती है। उस गड्ढे में वह तिनकों की तह बिछा देती है। इसी घोंसले में मोरनी अंडे देती है। ये अंडे दूधिया रंग के होते हैं। इन अंडों से ही नए मोर व मोरनियों का जन्म होता है।

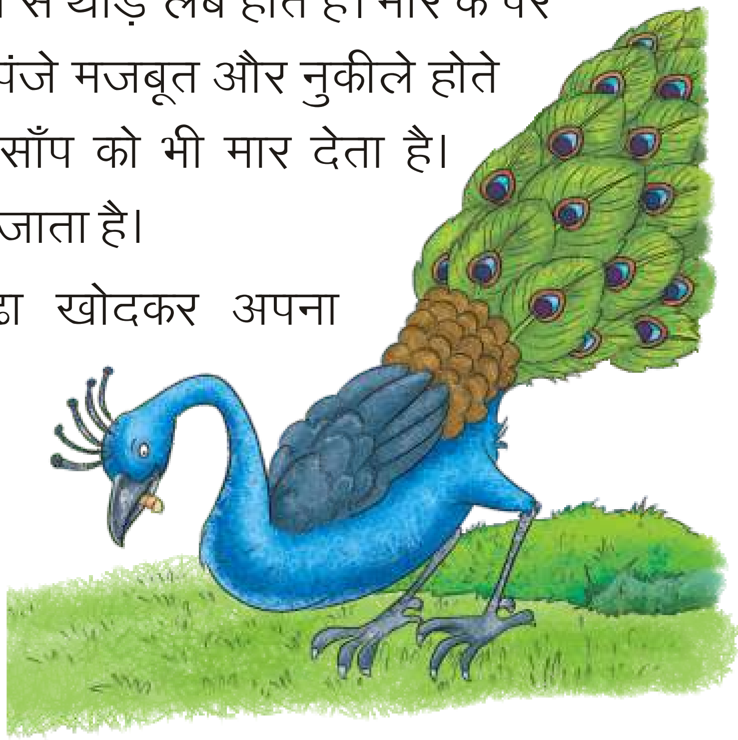

कठिन शब्द

राष्ट्रीय ■ आकृतियाँ ■ आकर्षक ■ झुरमुट

नुकीले ■ गड्ढा ■ दूधिया

शब्दार्थ

पक्षी – चिड़िया

तह – पर्त

दूधिया – दूध के जैसे रंगवाला

कलगी – मुकुट की तरह की छोटी आकृति

कोपल – नए व कोमल पत्ते

अधिकांशत: – अधिकतर

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   राष्ट्रीय, पूँछ, आकृतियाँ, झुरमुटों, आकर्षक, कोपलें
2. मोर के शरीर का सबसे सुंदर भाग कौन-सा है ?
3. काले बादलों को देखकर मोर क्या करते हैं ?
4. मोर और मोरनी को आप अलग-अलग कैसे पहचानेंगे ?
5. मोर को 'किसानों का मित्र' क्यों कहा जाता है ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भारत के राष्ट्रीय पक्षी का नाम बताइए।
2. मोर को कौन-सी ऋतु पसंद होती है ?
3. मोर को किसका शत्रु कहा जाता है ?
4. मोरनी अपना घोंसला कहाँ बनाती है ?

ग. सही शब्दों को चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

1. मोर पक्षियों में सबसे कम/अधिक सुंदर होता है।
2. मोर के पंख/पैर बहुत सुंदर होते हैं।
3. मोर अधिक ऊँचा उड़/नहीं उड़ सकता है।
4. मोर किसानों का मित्र/शत्रु होता है।
5. मोरनी के पंख छोटे/लंबे होते हैं।

क. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

मोर–	मोरनी	चोर–	______
शेर–	______	ऊँट–	______

ख. सही वर्ण पर 'ए' की मात्रा (े) लगाकर शब्द बनाइए–

चमकील–	______	नाचन–	______
नुकील–	______	सुनहर–	______

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही वर्तनी पर ✓ लगाइए–

1. (i) राषट्रिय ☐ (ii) रास्ट्रीय ☐ (iii) राष्ट्रीय ☐
2. (i) नुकसान ☐ (ii) नूकसान ☐ (iii) नुकासान ☐
3. (i) नुकिले ☐ (ii) नुकीले ☐ (iii) नूकीले ☐
4. (i) सत्रु ☐ (ii) शत्रू ☐ (iii) शत्रु ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

1. भगवान श्री कृष्ण को मोर-पंख बहुत पसंद था। श्री कृष्ण के चित्रों को ध्यान से देखिए। वे मोर-पंख को सदैव अपने मुकुट में लगाते थे।
2. मोर-पंखों का उपयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है? घर के बड़े सदस्यों से बात करके मालूम कीजिए।

ख. आपके विचार से–

चीनू ने अपने घर के बाहर चिड़ियों के लिए दाना रखा है। यह सब पाकर एक चिड़िया बहुत खुश है।

वह चीनू से कुछ कहना चाहती है परंतु क्या, सोचिए और बताइए।

ग. बूझो तो जानें–

नीचे कुछ पक्षियों के चित्र बने हैं। उनको पहचानकर झटपट उनके नाम बताइए। आपने इन्हें कैसे पहचाना, यह भी बताइए।

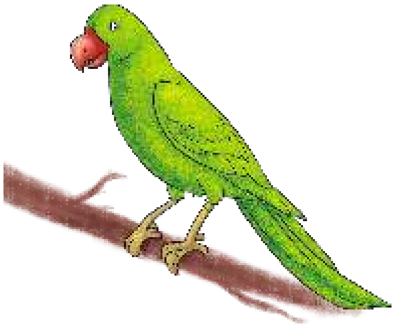

7

कुएँ में चाँद

प्रस्तुत कहानी चार बंदरों की रोचक कहानी है। चाँद कुएँ में कैसे गिरा और बंदरों ने उसे कैसे बाहर निकाला ; कहानी पढ़िए और जानिए।

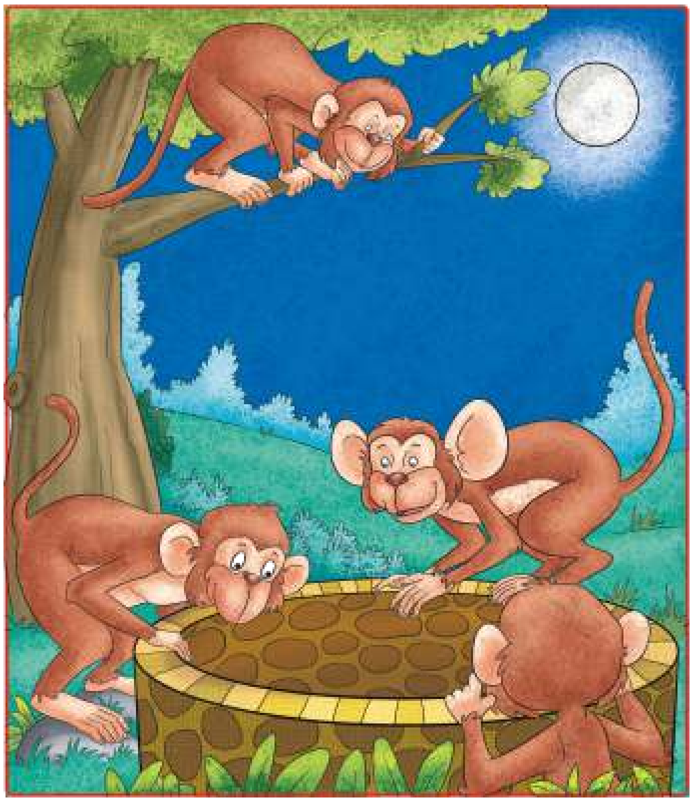

एक वन में चार बंदर रहते थे। उनमें से एक के हाथ बहुत लंबे थे, दूसरे की पूँछ बहुत लंबी थी, तीसरे के कान बहुत बड़े थे और चौथे बंदर की आँखें बड़ी-बड़ी थीं।

एक बार चारों बंदर चाँदनी रात में एक कुएँ के पास लुका-छिपी खेल रहे थे। आकाश में पूरा चाँद चमक रहा था। बड़ी आँखों वाले बंदर ने कुएँ में झाँका। उसने देखा कि चाँद तो कुएँ के पानी में है। उसने चिल्लाकर कहा—``अरे, जल्दी आओ ; देखो ! चाँद कुएँ में गिर गया है।''

लंबी पूँछ वाले बंदर ने कुएँ में झाँका। पानी में चाँद की परछाई देखकर वह भी चिल्लाया—``हाय रे ! चाँद तो कुएँ में गिर गया।''

बड़े-बड़े कानों वाला बंदर दौड़ा-दौड़ा आया। कुएँ में झाँकते हुए वह बोला—``अरे, हाँ ! चाँद तो सचमुच कुएँ में गिर गया।'' लंबे हाथों वाला बंदर भी दौड़ता हुआ आया और चाँद की परछाई को कुएँ में देखकर चिल्लाने लगा।

अब चारों बंदर चाँद को कुएँ में से निकालने का उपाय सोचने लगे। आखिर उन्हें उपाय सूझ ही गया। लंबी पूँछ वाले ने अपनी पूँछ पेड़ की डाल से लपेटी और कुएँ की ओर मुँह करके नीचे लटक गया। लंबे हाथों वाले बंदर ने उल्टा लटककर

अपने पैर लंबी पूँछ वाले के हाथ में पकड़ा दिए। बड़े कानों वाले बंदर ने लंबे हाथों वाले बंदर के दोनों हाथों में अपने पैर पकड़ा दिए।

इसी तरह बड़ी आँखों वाले बंदर ने बड़े कानों वाले बंदर के दोनों हाथों में अपने पैर पकड़ा दिए। इस तरह से अब बड़ी आँखों वाले बंदर के दोनों हाथ कुएँ के पानी तक पहुँच गए।

बड़ी आँखों वाले बंदर ने चाँद को मुट्ठी में पकड़ना चाहा, परंतु चाँद उसके हाथ से निकल गया। उसने कई बार कोशिश की, परंतु वह चाँद को पकड़ न सका।

इतने में लंबी पूँछ वाला बंदर ऊपर से चिल्लाया–``जल्दी करो, मैं अब और नहीं लटक सकता।'' इसी तरह दूसरे बंदर भी चिल्लाने लगे।

बड़ी आँखों वाले बंदर ने कहा–``अरे भाइयो! जरा धीरज रखो। मैं अभी चाँद को पकड़ लेता हूँ।'' उसने अपने हाथ पानी में छपाक-छपाक मारे, किंतु यह क्या? हाथ लगाते ही चाँद गायब हो जाता।

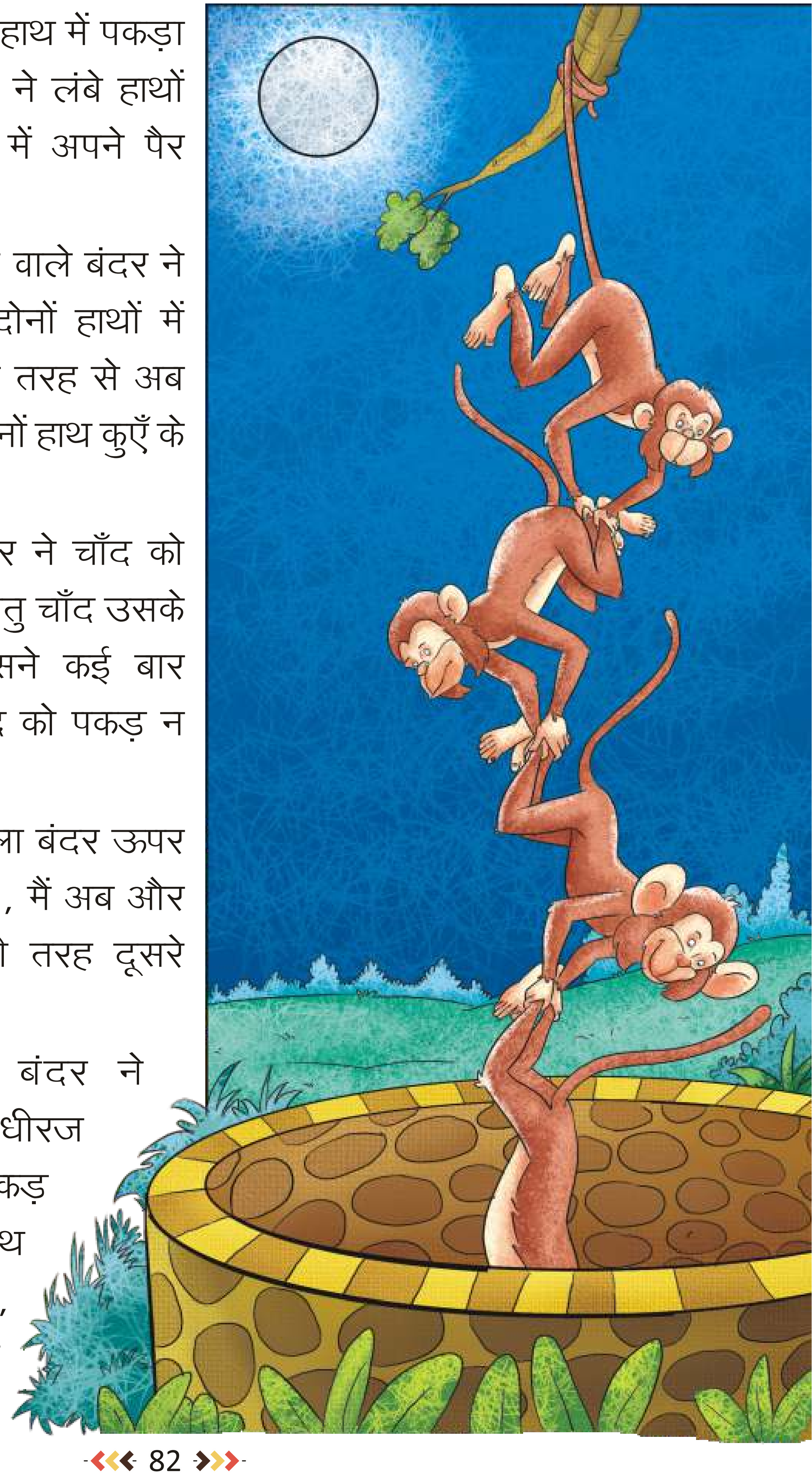

बहुत कोशिश करने पर भी चाँद बंदर की पकड़ में न आ पाया।

अधिक देर तक भार न सहन कर पाने के कारण लंबी पूँछ वाले बंदर की डाल पर पकड़ ढीली पड़ गई और चारों बंदर कुएँ में गिर पड़े।

अब लंबे हाथों वाले बंदर ने चाँद को कुएँ से बाहर निकालने की कोशिश की। वह अपने हाथों से कुएँ का पानी ऊपर की ओर फेंकने लगा। अचानक उसने देखा चाँद आकाश में कुएँ की सीध में चमक रहा था। वह खुशी से चिल्ला उठा, ``मित्रो, देखो मैंने चाँद को आकाश में उछाल दिया है।''

सभी बंदर आकाश में चाँद को देखकर बहुत खुश हुए। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद वे सब भी कुएँ से बाहर आ गए और फिर से चाँद की चाँदनी में नाच-नाचकर खेलने लगे।

कठिन शब्द

लुका-छिपी ■ परछाई ■ सचमुच ■ सूझ ■ मुट्ठी ■ कोशिश

शब्दार्थ

वन	–	जंगल	**परछाई**	–	छाया
धीरज	–	धैर्य	**परंतु**	–	लेकिन
उपाय	–	तरकीब	**कोशिश**	–	प्रयास

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   चाँदनी , परछाई , कुएँ , कोशिश
2. वन में रहने वाले बंदरों की क्या-क्या विशेषताएँ थीं ?
3. बंदर कुएँ में क्यों लटके थे ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वन में कितने बंदर रहते थे ?
2. सबसे पहले किस बंदर ने कुएँ में झाँका ?
3. बंदरों ने कुएँ में क्या देखा ?
4. लंबी पूँछ वाले बंदर की पकड़ ढीली पड़ने से क्या हुआ ?

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

1. एक वन में ______________ बंदर रहते थे।
2. आकाश में पूरा ______________ चमक रहा था।
3. हाथ लगाते ही चाँद ______________ हो जाता।
4. चारों बंदर ______________ में गिर पड़े।

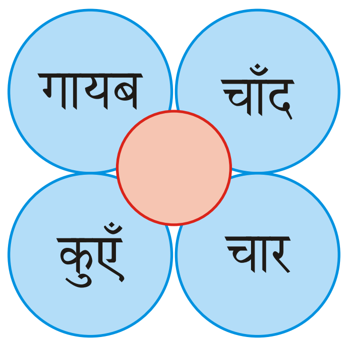

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. कुएँ में किसकी परछाई दिखाई दे रही थी ?
   (i) सूरज की ☐ (ii) चाँद की ☐ (iii) हाथी की ☐

2. पहला बंदर पेड़ की डाल से क्या लपेटकर लटका ?

(i) पूँछ ☐ (ii) कान ☐ (iii) हाथ ☐

3. चारों बंदर कहाँ गिर पड़े थे ?

(i) गड्ढे में ☐ (ii) कुएँ में ☐ (iii) नदी में ☐

अब भाषा की बात

क. समझिए और लिखिए–

1. आँख – आँखें
2. पूँछ – ______
3. रात – ______
4. कान – कानों
5. हाथ – ______
6. पैर – ______

ख. तीन ऐसे शब्द लिखिए जिनके अंत में 'नी' आता हो, जैसे-रानी

______ ______ ______

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

समान अर्थ वाले शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. पानी – (i) जल ☐ (ii) सूरज ☐ (iii) जमीन ☐
2. आकाश – (i) तारे ☐ (ii) आसमान ☐ (iii) चाँद ☐
3. चाँद – (i) बादल ☐ (ii) सूरज ☐ (iii) चंद्रमा ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आपके विचार से–

आपने बंदरों को क्या-क्या शरारतें करते देखा है ? अपने मित्रों से इस बारे में बात करिए।

ख. बूझो तो जानें–

गांधी जी के ये तीन बंदर आपको क्या सिखाना चाहते हैं, जरा बताइए तो-

ग. कलाकारी दिखाएँ–

नीचे दिए गए बंदर के चित्र में मनपसंद रंग भरिए और उसका अच्छा-सा नाम रखिए।

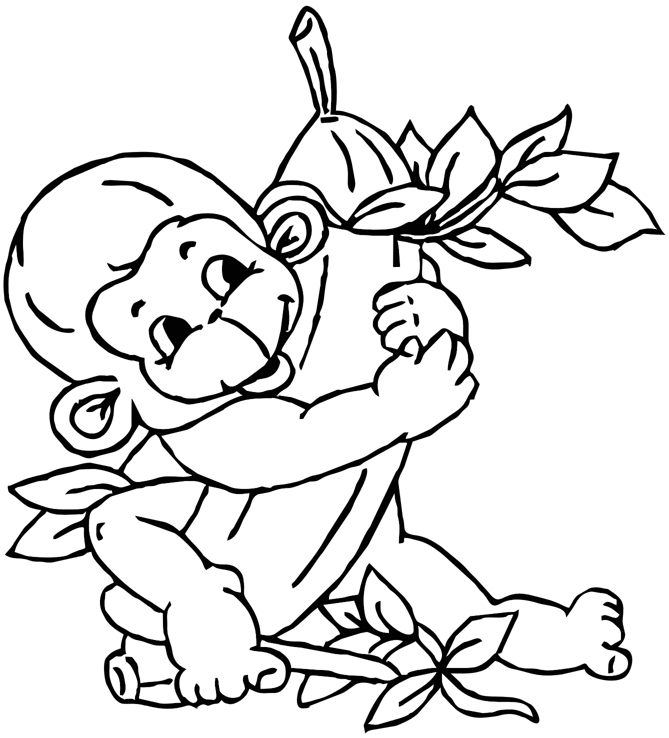

घ. अब कुछ और करके देखें–

चाँदनी रात में एक बड़ी थाली में पानी भरकर छत पर या आँगन में इस प्रकार रखिए कि उसमें चाँद का प्रतिबिंब दिखाई दे। लो आ गया न, आपके पास आपका अपना चाँद!

8

समय का महत्व

प्रस्तुत कविता में बताया गया है कि सदैव समय का सही उपयोग करना चाहिए। समय का सदुपयोग करने वाला ही जीवन में सफलता पाता है।

टिक-टिक करके घड़ी बताती,
समय बहुत ही है बलवान।
सावधान होकर हम सब भी,
रखें सदा ही इसका ध्यान।।

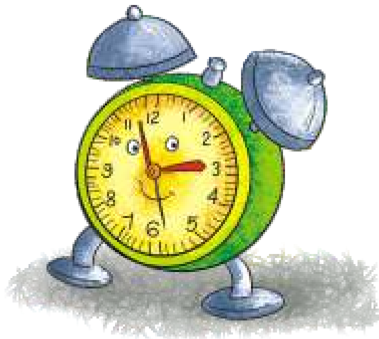

सूरज बड़े सवेरे उठकर,
फैलाता जग में उजियारा।
दूर अँधेरा कर धरती का,
देता है नवजीवन प्यारा।।

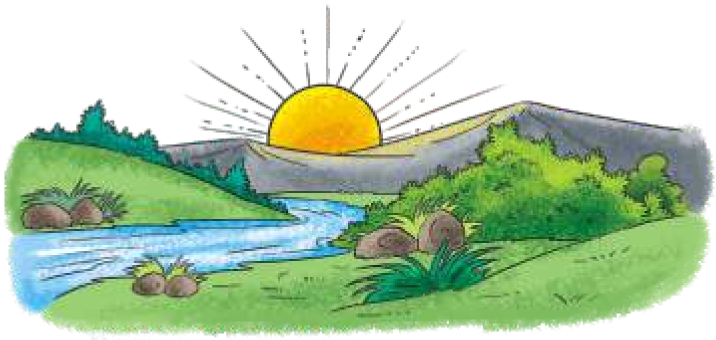

सभी छोड़ देते हैं बिस्तर,
मच जाती हलचल चहुँ ओर।
बच्चे भागे लिए किताबें,
बूढ़े चले पार्क की ओर।।

तुम भी काम समय पर करना,
सदा समय का रखना ध्यान।
जो न समय की चिंता करता,
जीवन-भर सहता अपमान।।

कठिन शब्द

बलवान ■ नवजीवन ■ उजियारा ■ चहुँ ओर ■ पार्क

शब्दार्थ

बलवान	-	ताकतवर	**नवजीवन**	-	नया जीवन
सदा	-	हमेशा	**सावधान**	-	होशियार
पार्क	-	बगीचा	**चहुँ ओर**	-	चारों ओर
उजियारा	-	उजाला	**जग**	-	संसार

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   घड़ी, उजियारा, बिस्तर, चहुँ ओर, नवजीवन
2. धरती का अँधेरा कौन दूर करता है ?
3. बच्चे किताबें लेकर कहाँ जाते हैं ?
4. समय की चिंता न करने वाले को क्या सहना पड़ता है ?

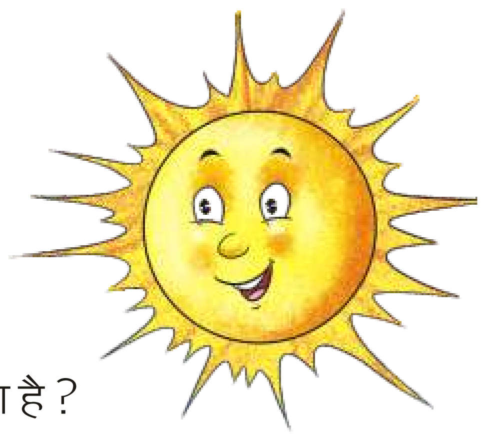

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. टिक-टिक करके ____________ बताती,
   ____________ बहुत ही है ____________ ।

2. ________ बड़े सवेरे उठकर,

फैलाता ________ में ________।

3. तुम भी ________ ________ पर करना,

________ समय का रखना ________।

ग. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने ✗ लगाइए–

1. घड़ी हमें सिखाती है कि समय बहुत बलवान है। ☐
2. सूरज संसार में अँधेरा फैलाता है। ☐
3. हमें अपने सभी काम समय पर करने चाहिए। ☐
4. समय की चिंता न करने वाले का अपमान होता है। ☐

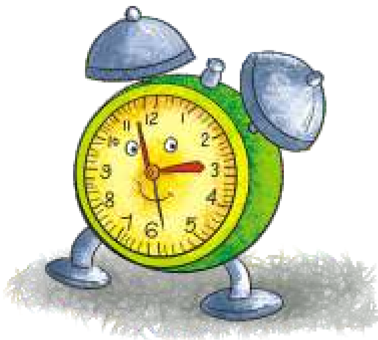

अब भाषा की बात

क. कविता में से ढूँढ़कर 'इ' तथा 'ई' की मात्रा वाले शब्द लिखिए–

'इ' की मात्रा वाले शब्द – ________ ________ ________

'ई' की मात्रा वाले शब्द – ________ ________ ________

ख. किसी काम का करना या होना 'क्रिया' कहलाता है। नीचे दिए गए उदाहरण को समझिए और सही क्रिया भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. राहुल खेल रहा है। (खेल/पक)
2. मयंक ________ रहा है। (लिख/नहीं)
3. बीना आम ________ रही है। (पका/खा)
4. पतंग ________ रही है। (चल/उड़)

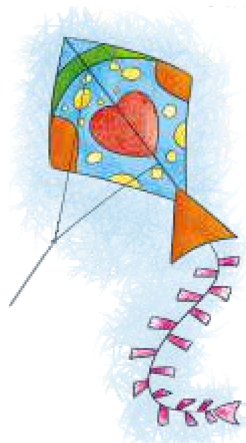

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

नाम वाले शब्दों को संज्ञा शब्द कहते हैं। संज्ञा शब्द वाले विकल्पों पर ✓ लगाइए–

1. (i) घड़ी ☐ (ii) बताती ☐ (iii) है ☐
2. (i) बहुत ☐ (ii) किताबें ☐ (iii) प्यारा ☐

3. (i) नभ ☐ (ii) चले ☐ (iii) जाती ☐

4. (i) गोपाल ☐ (ii) खाता ☐ (iii) गाता ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो! आपको अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेने चाहिए। अपने विद्यालय से मिला कार्य भी समय से ही पूरा करना चाहिए। यदि आप अपने कामों को टालते जाएँगे तो आपके पास बहुत सारा काम इकट्ठा होता जाएगा और आप फिर कुछ भी ठीक से नहीं कर पाएँगे।

ख. कुछ और जानें–

आपने किस-किस तरह की घड़ियाँ देखी हैं? जरा बताइए तो! घर के किसी बड़े सदस्य से घड़ियाँ बनाने वाली कुछ प्रमुख कंपनियों के नाम जानिए।

ग. बूझो तो जानें– **नीचे लिखी पहेली को बूझिए–**

टिक-टिक टिक-टिक करती जाए,
बिन बोले ही समय बताए।
सब कहते हैं, हरदम चलती
पर मैं बोलूँ, जरा न हिलती।

घ. कुछ और करके देखें–

अपने बड़े भाई या बहन से घड़ी में समय देखना सीखिए और नीचे बनी हुई घड़ियों में दिखाए गए समय को बताइए–

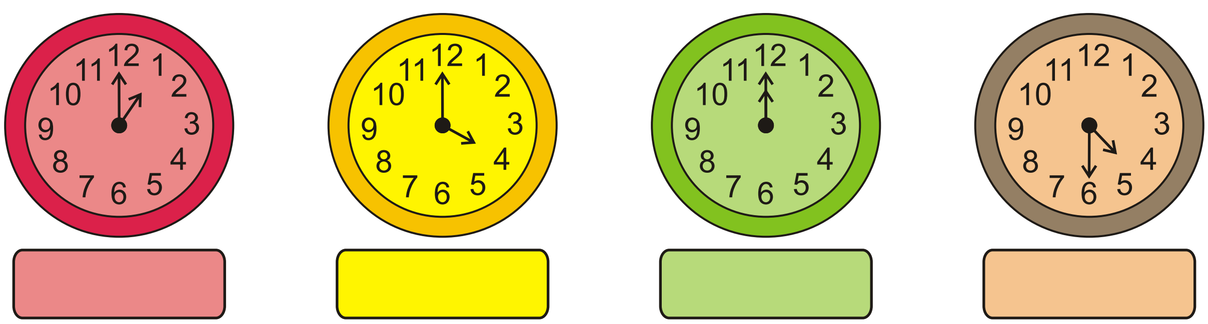

9 चीता बना सबसे तेज धावक

बच्चो! चीता पृथ्वी पर सबसे तेज दौड़ने वाला पशु है। प्रस्तुत लोककथा को पढ़िए और जानिए कि वह सबसे तेज धावक कैसे बना?

एक बार ईश्वर ने यह सोचा कि पता लगाया जाए कि उनके बनाए हुए तरह-तरह के जीव-जंतुओं में सबसे तेज कौन दौड़ता है? इसके लिए उन्होंने अलग-अलग तरह के जानवरों के बीच दौड़ करवाई। अंतिम दौड़ के लिए बस दो जानवर बचे– एक चीता और दूसरा बारहसिंगा। दोनों ही जानवरों ने बाकी जानवरों को दौड़ में हरा दिया था। वे दोनों ही बहुत तेज दौड़ते थे। चीता जानता था कि उसके पंजे तो मुलायम और गद्देदार हैं, जो कि ऊबड़-खाबड़ मैदान में दौड़ने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। अपनी जीत निश्चित करने के लिए उसने अपने एक मित्र, जंगली कुत्ते से कड़े पंजे उधार ले लिए।

एक निश्चित दिन चीता और बारहसिंगा के बीच दौड़ करवाई गई। ईश्वर स्वयं उस दौड़ के निर्णायक बने और उन दोनों प्रतियोगियों को मैदान से होकर पहाड़ी के दूसरे छोर पर स्थित एक बड़ी चट्टान तक दौड़ने के लिए कहा गया। सारे जानवर दौड़ देखने के लिए इकट्ठे हुए। दौड़ के अंत वाले स्थान पर शेर और उसके साथियों को निर्णय करने के लिए खड़ा किया गया। इसके बाद आरंभिक बिंदु पर चीता और

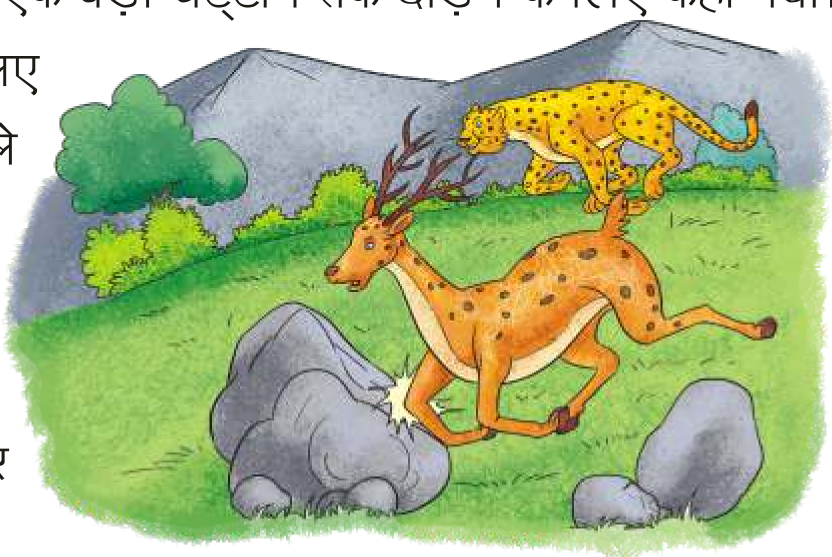

बारहसिंगा को खड़ा करके आदेश दिया गया-``दौड़ो''। सारे जानवर उत्साह में चिल्लाने लगे, कोई चीते के साथ था तो कोई बारहसिंगा के। बारहसिंगा कुछ दूर दौड़कर आगे हो गया। लग रहा था कि बस वही जीतेगा। तभी बारहसिंगा के रास्ते में एक बड़ा-सा पत्थर आ गया। वह उससे टकराकर गिर पड़ा। पत्थर से टकराने से उसका पैर टूट गया। अब क्या होगा! सभी जानवर अचानक शांत हो गए। अच्छे स्वभाव वाला चीता दौड़ना छोड़कर बीच में ही घायल बारहसिंगा की सहायता के लिए वापस आया। उसने बारहसिंगा को उठाया और उसे लेकर पीछे लौटा जहाँ ईश्वर व अन्य जानवर थे।

ईश्वर ने यह सब स्वयं देखा और वे उसके इस नि:स्वार्थ सेवाभाव से बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने ऐलान किया कि चीता दौड़ न जीतकर भी जीत गया है। अत: उसे पृथ्वी का सबसे तेज धावक होने का वरदान दिया जाता है, साथ ही उसे जंगली कुत्ते के पंजे हमेशा के लिए रख लेने की इजाजत भी दी जाती है।

बस तभी से चीता पृथ्वी पर सबसे तेज दौड़ने वाला जीव है।

कठिन शब्द

ईश्वर ■ जंतुओं ■ बारहसिंगा ■ गद्देदार
नि:स्वार्थ ■ पृथ्वी ■ पत्थर

शब्दार्थ

ऊबड़–खाबड़	–	ऊँचा-नीचा	**निर्णायक**	–	फैसला करने वाला
निर्णय	–	फैसला	**ऐलान**	–	घोषणा
नि:स्वार्थ	–	बिना स्वार्थ के	**वरदान**	–	आशीर्वाद
धावक	–	दौड़ने वाला	**सेवाभाव**	–	सेवा करने की भावना
इजाजत	–	स्वीकृति	**अचानक**	–	एकदम से

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   ईश्वर, बारहसिंगा, उधार, प्रतियोगियों, पत्थर, वरदान, पृथ्वी, इजाजत
2. ईश्वर क्या जानना चाहते थे?
3. चीता पालतू जानवर है या जंगली, बताइए।
4. दौड़ते-दौड़ते कौन गिर पड़ा था?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अंतिम दौड़ के लिए कौन-कौन से जानवर बचे थे?
2. चीते ने जंगली कुत्ते से क्या उधार लिया?
3. चीते व बारहसिंगे की दौड़ का निर्णायक कौन बना?
4. घायल बारहसिंगे की सहायता किसने की?
5. ईश्वर ने चीते को क्या वरदान दिया?

ग. पाठ के आधार पर निम्नलिखित कथनों के सामने ✓ व × लगाइए–

1. अंतिम दौड़ के लिए बंदर और घोड़ा बचे। ☐
2. चीते ने जंगली कुत्ते से कड़े पंजे उधार लिए। ☐
3. ईश्वर स्वयं दौड़ के निर्णायक बने। ☐
4. चीते ने बारहसिंगे की सहायता नहीं की। ☐
5. सबसे तेज धावक होने का वरदान बारहसिंगे को मिला। ☐

घ. निम्नलिखित शब्दों को पूरा कीजिए–

1. ईश___र	2. जा___वर	3. उत्सा___
4. मुला___म	5. ___रदान	6. जं___ली

अब भाषा की बात

क. पाठ में आए अनुस्वार (ं) की मात्रा वाले चार शब्द लिखिए–

जंतुओं ________ ________ ________ ________

ख. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. ईश्वर – ____________________
2. जानवर – ____________________
3. सेवा – ____________________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्द के सही विलोम शब्द पर ✓ लगाइए–

1. दिन – (i) रात ☐ (ii) सुबह ☐ (iii) शाम ☐
2. तेज – (i) बहुत ☐ (ii) धीरे ☐ (iii) धावक ☐
3. मित्र – (i) दोस्त ☐ (ii) पड़ोसी ☐ (iii) शत्रु ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, हमें सदैव दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

क्या आपने कभी किसी की सहायता की है, यदि हाँ तो उस बारे में अपने मित्रों को बताइए और उनसे भी इस बारे में जानकारी प्राप्त करिए।

ख. आपके विचार से–

यदि आपको अवसर मिले तो आप किस जानवर को पालना चाहेंगे और क्यों ? आप उसे क्या-क्या खिलाएँगे ? यह भी बताइए।

ग. कुछ और करके देखें–

घरों में रहने वाले जानवरों को 'पालतू जानवर' कहा जाता है और जंगल में रहने वाले जानवरों को 'जंगली जानवर' कहा जाता है। पालतू और जंगली पशु-पक्षियों को रेखा खींचकर उनके घर पहुँचाइए–

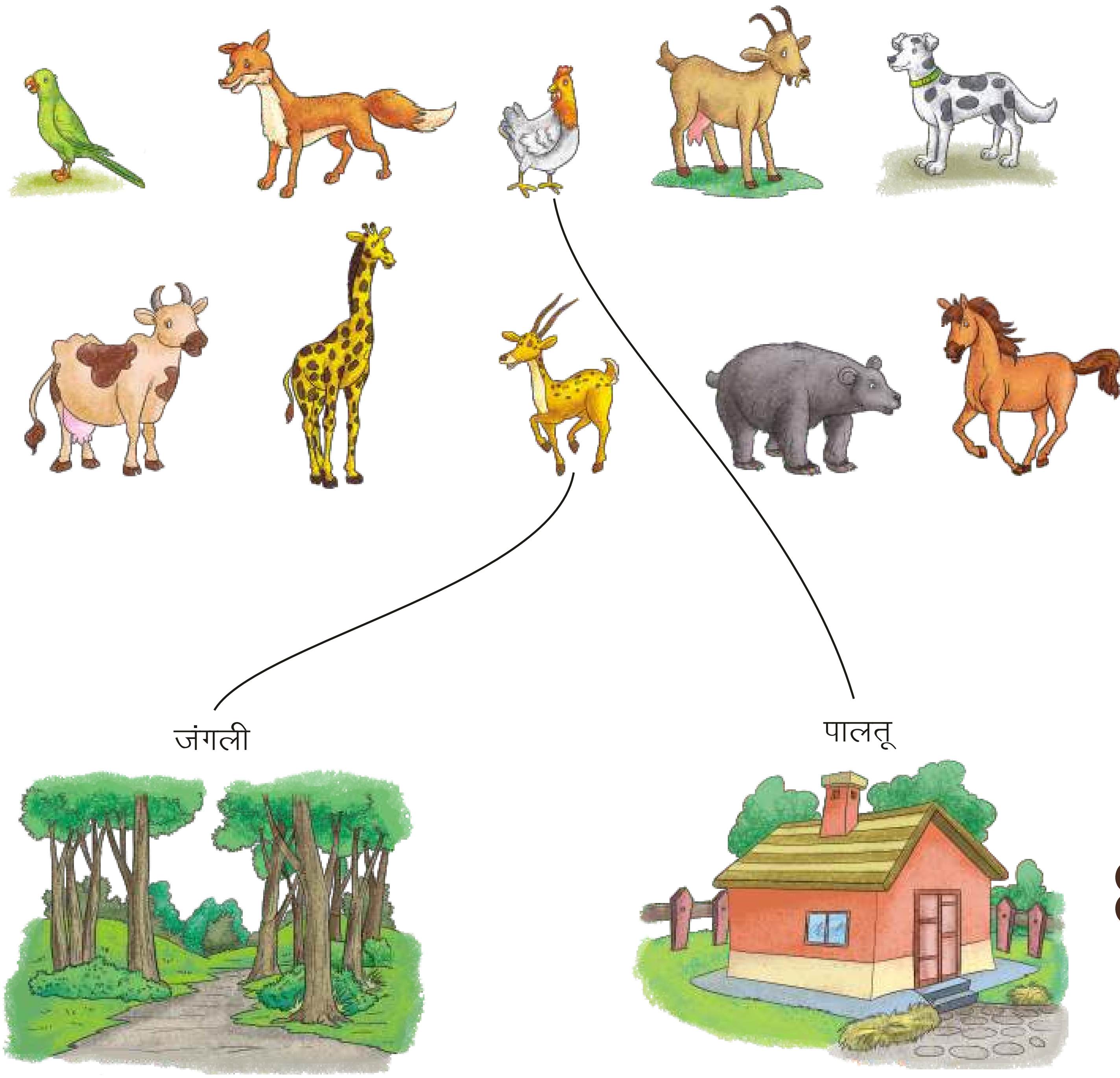

केवल पढ़ने के लिए

तितलियाँ और मधुमक्खियाँ

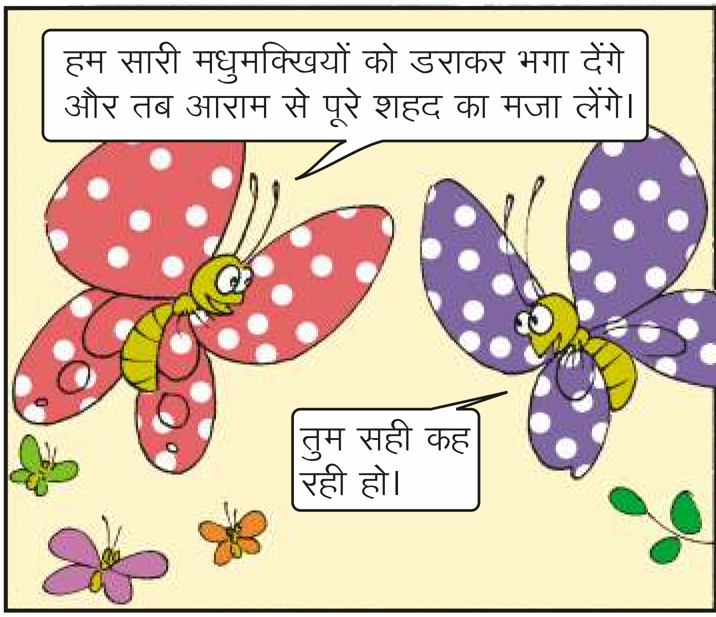

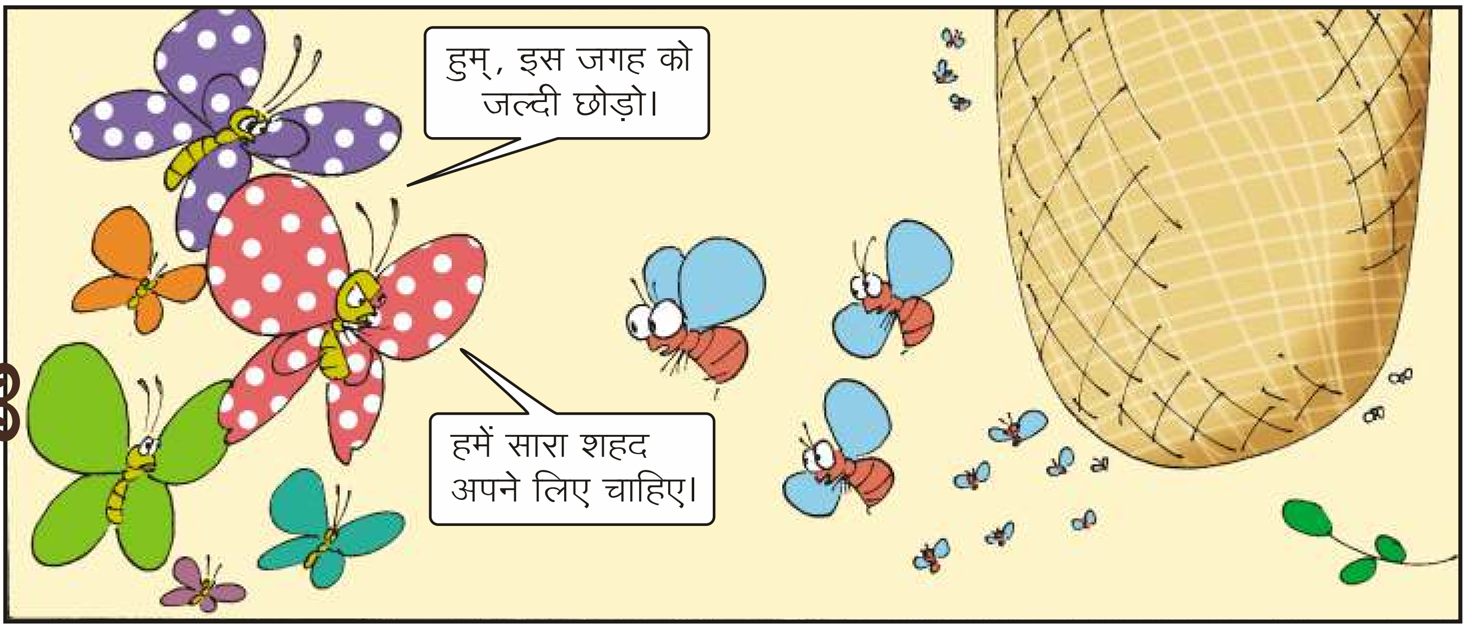

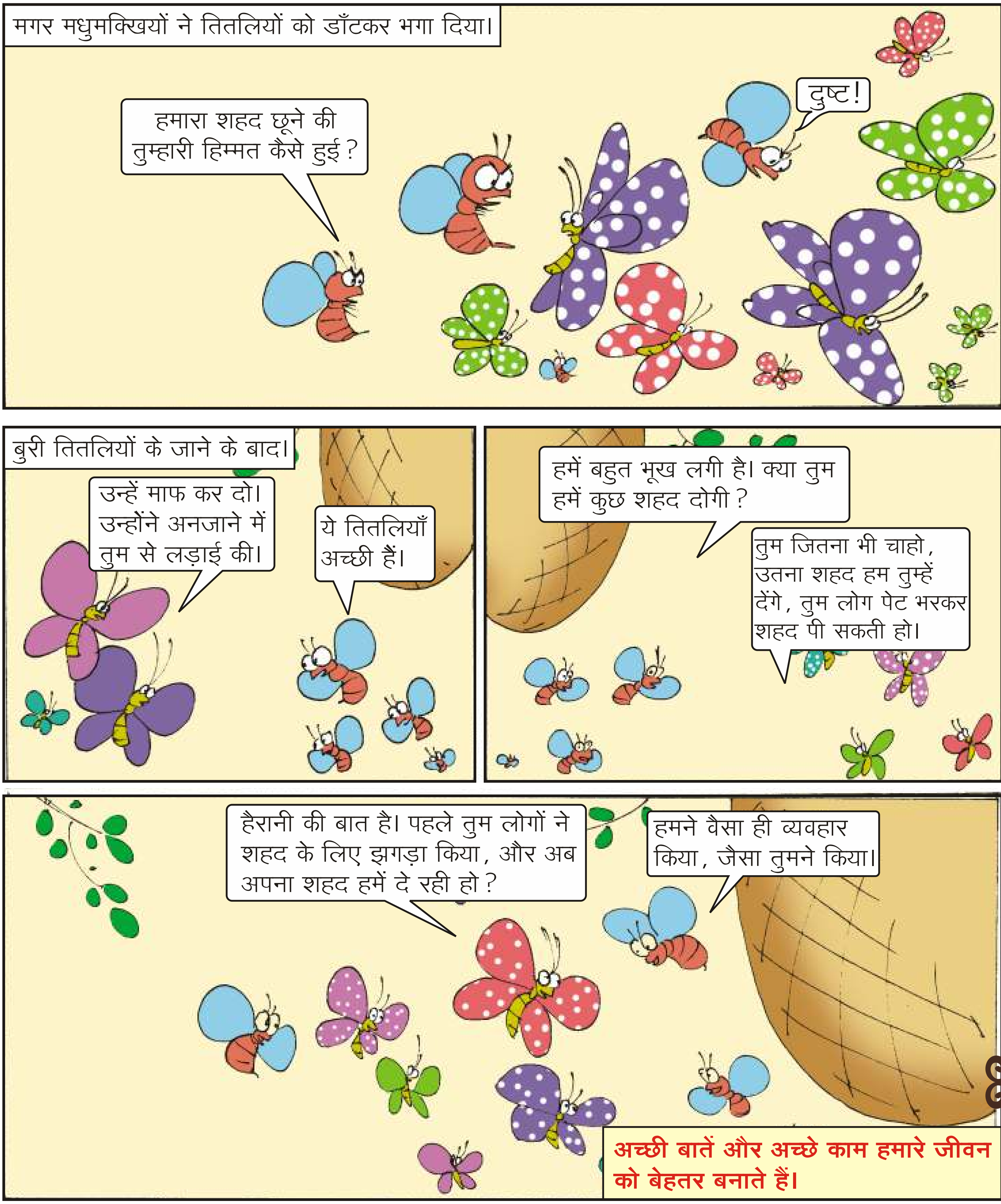
मगर मधुमक्खियों ने तितलियों को डाँटकर भगा दिया।
हमारा शहद छूने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ?
दुष्ट!
बुरी तितलियों के जाने के बाद।
उन्हें माफ कर दो। उन्होंने अनजाने में तुम से लड़ाई की।
ये तितलियाँ अच्छी हैं।
हमें बहुत भूख लगी है। क्या तुम हमें कुछ शहद दोगी ?
तुम जितना भी चाहो, उतना शहद हम तुम्हें देंगे, तुम लोग पेट भरकर शहद पी सकती हो।
हैरानी की बात है। पहले तुम लोगों ने शहद के लिए झगड़ा किया, और अब अपना शहद हमें दे रही हो ?
हमने वैसा ही व्यवहार किया, जैसा तुमने किया।
अच्छी बातें और अच्छे काम हमारे जीवन को बेहतर बनाते हैं।

10

मेरा देश भारत

प्रस्तुत पाठ में हमारे देश भारत की विशेषताओं से परिचित कराया गया है।

भारत एक विशाल देश है। इसके जैसा सुंदर देश संसार में और कोई नहीं है।

भारत के उत्तर में विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत हिमालय स्थित है । इसे 'पर्वतराज' भी कहा जाता है। इसमें से अनेक नदियाँ निकलती हैं। गंगा और यमुना इसमें से निकलने वाली प्रमुख व पवित्र नदियाँ हैं। नदियों का जल पीने के लिए, दैनिक कार्यों के लिए और खेतों में सिंचाई के लिए काम आता है।

हमारे देश में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई, पारसी आदि सभी धर्मों के लोग आपस में मिल-जुलकर रहते हैं। ये सभी अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पाठ और ईश्वर की उपासना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च आदि सभी धार्मिक स्थल समान रूप से

पूजे जाते हैं। इसीलिए इसे विभिन्न 'संस्कृतियों का भंडार' कहते हैं।

हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है। इसके अतिरिक्त यहाँ अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, तेलुगू, तमिल, बांग्ला, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया आदि अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं।

यहाँ के विभिन्न स्थानों की जलवायु में भी अंतर पाया जाता है। हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और उत्तराखंड ठंडे प्रदेश हैं जबकि तमिलनाडु और केरल गरम प्रदेश हैं। चेरापूँजी बहुत अधिक वर्षा वाला क्षेत्र है जबकि राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में बहुत कम वर्षा होती है। जलवायु की भिन्नता के कारण यहाँ के खान-पान, रहन-सहन तथा वेशभूषा में भी अंतर पाया जाता है।

इन भिन्नताओं के होते हुए भी भारत एक सूत्र में बँधा हुआ है। जिस प्रकार एक बगीचे में अनेक प्रकार के फूल होते हैं, परंतु वे सब मिलकर उस बगीचे की सुंदरता को बढ़ाते हैं। ठीक इसी प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार के लोग मिलकर हमारे प्यारे भारत के गौरव को बढ़ाते हैं।

भारत विभिन्नता में एकता का प्रतीक है। हमें आपस में मिल-जुलकर प्रेमपूर्वक रहना चाहिए तथा देश में शांति और समृद्धि के विकास में सहयोग करना चाहिए।

कठिन शब्द

विश्व ■ सिंचाई ■ बौद्ध ■ स्थल ■ विभिन्न ■ गुरुद्वारा

शब्दार्थ

संसार	–	विश्व	**महान**	–	बहुत बड़ा
प्राचीन	–	पुराना	**पवित्र**	–	शुद्ध
पर्वतराज	–	पर्वतों का राजा	**विभिन्न**	–	अलग-अलग
जलवायु	–	सामान्य मौसम	**उपासना**	–	पूजा
सूत्र	–	धागा	**उन्नति**	–	प्रगति

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   विशाल, पर्वतराज, विभिन्न, गुरुद्वारा, वेशभूषा, उन्नति
2. विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत कौन-सा है?
3. नदियों का जल किस-किस काम में आता है?
4. भारत में बोली जाने वाली चार भाषाओं के नाम बताइए।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किस पर्वत को 'पर्वतराज' कहा जाता है?
2. हिमालय से निकलने वाली प्रमुख नदियाँ कौन-सी हैं?
3. भारत में ठंडे प्रदेश कौन-कौन से हैं?
4. हमारे देश की राष्ट्रभाषा कौन-सी है?

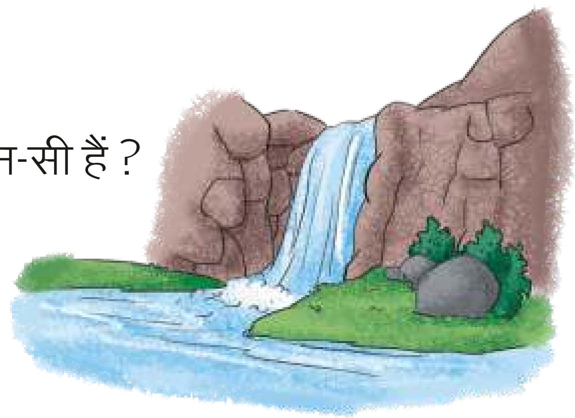

ग. रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए–

गंगा और यमुना	गर्म प्रदेश
हिमालय	राष्ट्रभाषा
हिंदी	पवित्र नदियाँ
तमिलनाडु और केरल	पर्वतराज

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. हिमालय को कहते हैं–
   (i) पर्वतराज ☐ (ii) महाराज ☐

2. चेरापूँजी में कितनी वर्षा होती है ?

(i) बहुत अधिक ☐ (ii) बहुत कम ☐

3. भारत में कितनी भाषाएँ बोली जाती हैं ?

(i) केवल एक ☐ (ii) अनेक ☐

अब भाषा की बात

क. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं ; जैसे—

बड़ा—छोटा कम—अधिक एक—अनेक

ऊपर लिखे विलोम शब्दों को याद कीजिए और नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

ठंडा ________ पास ________ ऊँचा ________

ख. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही वर्तनी वाले शब्द पर ✓ लगाइए—

1. (i) पर्बत ☐ (ii) पर्वत ☐ (iii) पार्वत ☐
2. (i) तमीलनाडु ☐ (ii) तमीलानाडू ☐ (iii) तमिलनाडु ☐
3. (i) वर्षा ☐ (ii) वार्षा ☐ (iii) व्रषा ☐
4. (i) गौरब ☐ (ii) गोरव ☐ (iii) गौरव ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें—

अपनी कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों से दोस्ती कीजिए। उनसे मालूम कीजिए कि वे कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं ? इस विषय पर उनसे बात कीजिए और अगली बार आने वाले त्योहारों को सब मिलकर मनाइए।

ख. कुछ और जानें–

1. हमारे देश 'भारत' के कुछ और नाम भी हैं–
   हिंदुस्तान, भारतवर्ष और इंडिया (India)
2. गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती हमारे राष्ट्रीय त्योहार हैं। इन्हें सभी देशवासी मिलकर मनाते हैं।
3. प्रतिवर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई जाती है।

ग. आपके विचार से–

आपको अपने देश में सबसे अच्छा क्या लगता है? सोचिए और चित्र बनाकर बताइए; जैसे– बड़ी-बड़ी नदियाँ, बर्फ से ढके पहाड़, सुंदर फूलों वाले बगीचे या कुछ और?

घ. कुछ गुनगुना लें–

गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखी निम्नलिखित कविता को याद कीजिए और कक्षा में सुनाइए–

देश की माटी, देश का जल
हवा देश की, देश के फल;
सरस बनें, प्रभु! सरस बनें।

देश के तन और देश के मन
देश के घर के भाई-बहन
विमल बनें, प्रभु! विमल बनें।

11

स्वामी जी की विनम्रता

महापुरुष अपना बुरा चाहने वालों की भी बुराई नहीं करते। इसीलिए लोगों के मन में उनके प्रति बहुत सम्मान होता है। प्रस्तुत पाठ में ऐसी ही एक घटना का वर्णन है।

वाराणसी में एक विद्वान स्वामी जी रहते थे। स्वामी जी विनम्र स्वभाव के तो थे ही, साथ ही उनमें सेवा-भाव भी बहुत था। वे सदैव दूसरों की सहायता करने को तैयार रहते थे। दूसरे लोग उनकी बहुत प्रशंसा करते थे परंतु कुछ लोग उनसे चिढ़ने भी लगे थे। एक दिन प्रात:काल स्वामी जी गंगा में स्नान करके घाट की सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे। वहीं पर एक व्यक्ति खड़ा था। वह स्वामी जी को देखते ही उनको भला-बुरा कहने लगा। स्वामी जी चुप रहे।

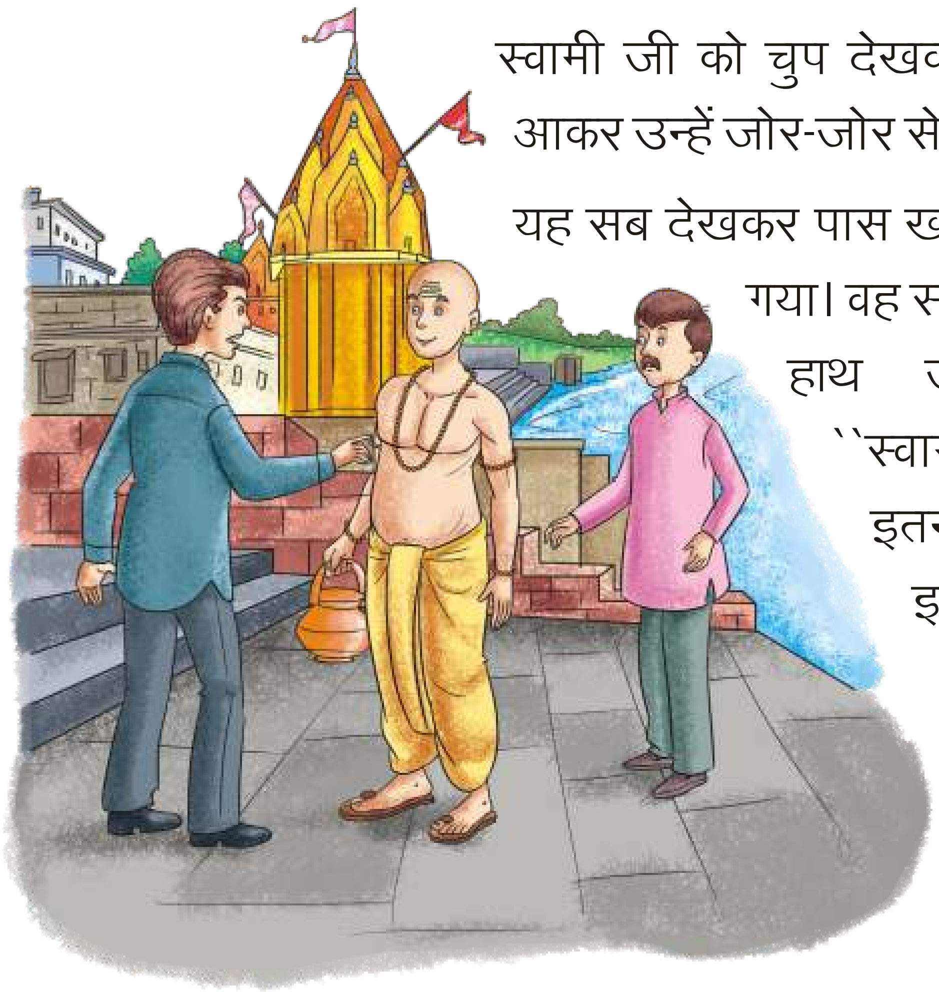

स्वामी जी को चुप देखकर वह व्यक्ति उनके पास आकर उन्हें जोर-जोर से अपशब्द कहने लगा।

यह सब देखकर पास खड़े एक नवयुवक से न रहा गया। वह स्वामी जी के पास आया और हाथ जोड़कर कहने लगा– ``स्वामी जी, आपका शरीर इतना बलवान है। यदि आप इस आदमी को एक झापड़ मार दें तो यह सीढ़ियों पर लुढ़कने लगे। फिर भी आप इतनी गलत बातें चुपचाप क्यों सुन रहे

हैं ?'' स्वामी जी हँस पड़े। वे कहने लगे– ``भोले नवयुवक! मैंने उसके कहे हुए अपशब्द ग्रहण ही नहीं किए। जब कोई मनुष्य हमें कुछ चीज देने का प्रयत्न करे और हम उससे वह चीज न लें तो क्या होगा ?'' यह प्रश्न सुनकर नवयुवक सोच में पड़ गया। वह सोचने लगा कि स्वामी जी मुझे क्या समझाना चाह रहे हैं। इतनी देर में वह व्यक्ति भी शांत हो गया था। नवयुवक ने उत्तर दिया– ``वह चीज देने वाले के पास ही रह जाएगी।'' स्वामी जी बोले–``बस, ठीक इसी तरह उसने मुझे बहुत अपशब्द दिए पर मैंने एक भी नहीं लिया। इसीलिए वे सब उसी के पास रह गए।''

यह सुनकर नवयुवक ने स्वामी जी के चरण-स्पर्श किए और बोला–``स्वामी जी, आप सचमुच महान हैं। आपने विनम्रता से बुराई को जीत लिया।''

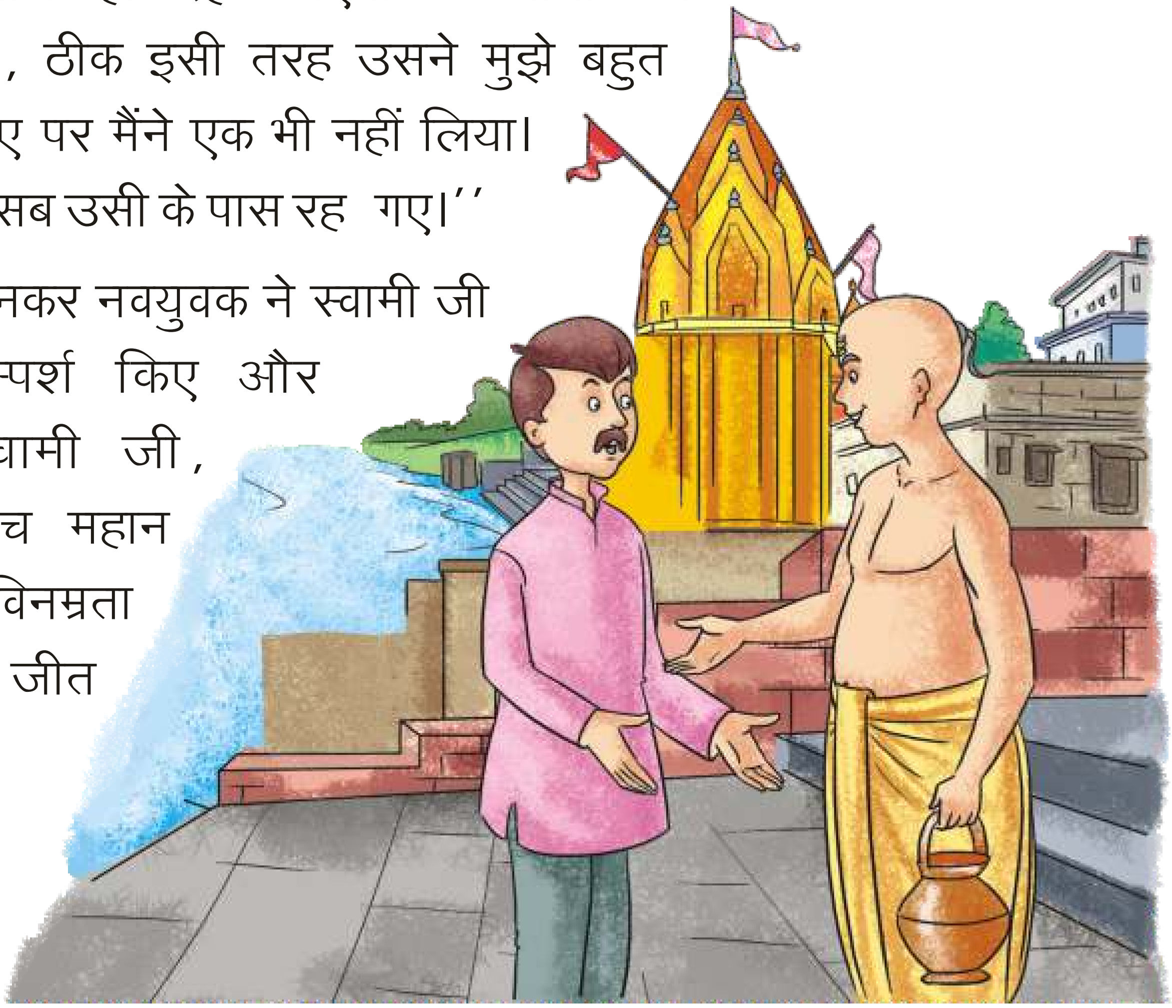

कठिन शब्द

स्वामी ■ स्नान ■ अपशब्द ■ मनुष्य ■ चरण-स्पर्श

शब्दार्थ

प्रशंसा	-	तारीफ	**अपशब्द**	-	बुरे शब्द, बुरी बात
स्नान करके	-	नहा करके	**मनुष्य**	-	आदमी
बलवान	-	ताकतवर	**चरण-स्पर्श**	-	पैर छूना
प्रयत्न	-	कोशिश	**चीज**	-	वस्तु

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   विद्वान, प्रशंसा, अपशब्द, लुढ़कने, चरण-स्पर्श
2. कुछ लोग स्वामी जी से क्यों चिढ़ने लगे थे ?
3. स्वामी जी को अपशब्द किसने कहे ?
4. नवयुवक ने स्वामी जी से क्या कहा ?
5. स्वामी जी ने नवयुवक को क्या समझाया ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. स्वामी जी का स्वभाव कैसा था ?
2. घाट पर खड़े व्यक्ति ने क्या गलत कार्य किया ?
3. अपने बारे में अपशब्द सुनकर स्वामी जी ने क्या किया ?

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

विनम्र, अपशब्द, वाराणसी, स्पर्श, चुप

1. स्वामी जी ______ में रहते थे।
2. स्वामी जी का स्वभाव ______ था।
3. अपशब्द सुनकर भी स्वामी जी ______ रहे।
4. सारे ______ उसी व्यक्ति के पास रह गए।
5. नवयुवक ने स्वामी जी के चरण ______ किए।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. स्वामी जी का स्वभाव था–

   (i) कठोर ☐ (ii) विनम्र ☐

2. स्वामी जी कहाँ की सीढ़ियाँ चढ़ रहे थे ?

   (i) घाट की ☐ (ii) मंदिर की ☐

3. घाट पर खड़े व्यक्ति ने स्वामी जी को–

   (i) धन्यवाद दिया ☐ (ii) अपशब्द कहे ☐

4. अपशब्द सुनकर स्वामी जी–

   (i) शांत रहे ☐ (ii) नाराज हो गए ☐

अब भाषा की बात

क. 'ई' की मात्रा वाले पाँच शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए–

______ ______ ______ ______ ______

ख. सही स्थान पर 'ड़' अथवा 'ढ़' भरकर शब्द बनाइए–

सी — ी, जो —, लु — कने, चि — ने

ग. 'है' अथवा 'हैं' भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. तुम्हारा स्वभाव विनम्र ______________ ।
2. आप गलत बातें क्यों सुन रहे ______________ ?
3. वहाँ कौन खड़ा ______________?
4. आप सचमुच महान ______________ ।
5. बच्चे खेल रहे ______________ ।

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आपके विचार से–

1. आपको क्या लगता है, अपशब्द सुनने के बाद यदि स्वामी जी शांत नहीं रहते तो क्या होता ?
2. यदि कोई आपकी बुराई करे तो आप क्या करेंगे ?

ख. बूझो तो जानें–

अच्छे स्वभाव से संबंधित नीचे दिए गए गुणों को वर्ग-पहेली में ढूँढ़िए–

दया, ममता, करुणा,
विनम्रता, सच्चाई

स	च्चा	ई	वि
क	मा	शा	न
रु	द	या	म्र
णा	म	म	ता

ग. कुछ और करके देखें–

नीचे दिए गए चित्र किन महापुरुषों के हैं ? बताइए। उनके बारे कुछ प्रमुख बातें भी बताइए।

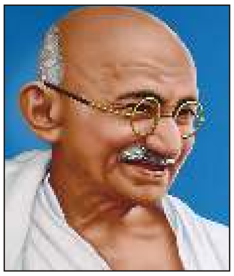

____

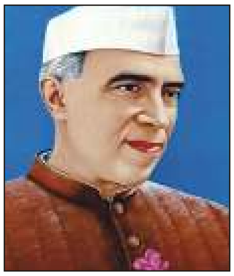

____

12

गाँव हमारा

प्रस्तुत कविता में गाँव के मोहक वातावरण के बारे में बताया गया है।

गाँव हमारा नदी किनारे
बसा कहीं पर होता।
नदिया के उस पार बाग भी
एक वहीं पर होता।
कच्चे-पक्के घरों के आगे
सुंदर फूल महकते।
गुच्छे ही गुच्छे केलों के
गूदेदार लटकते।

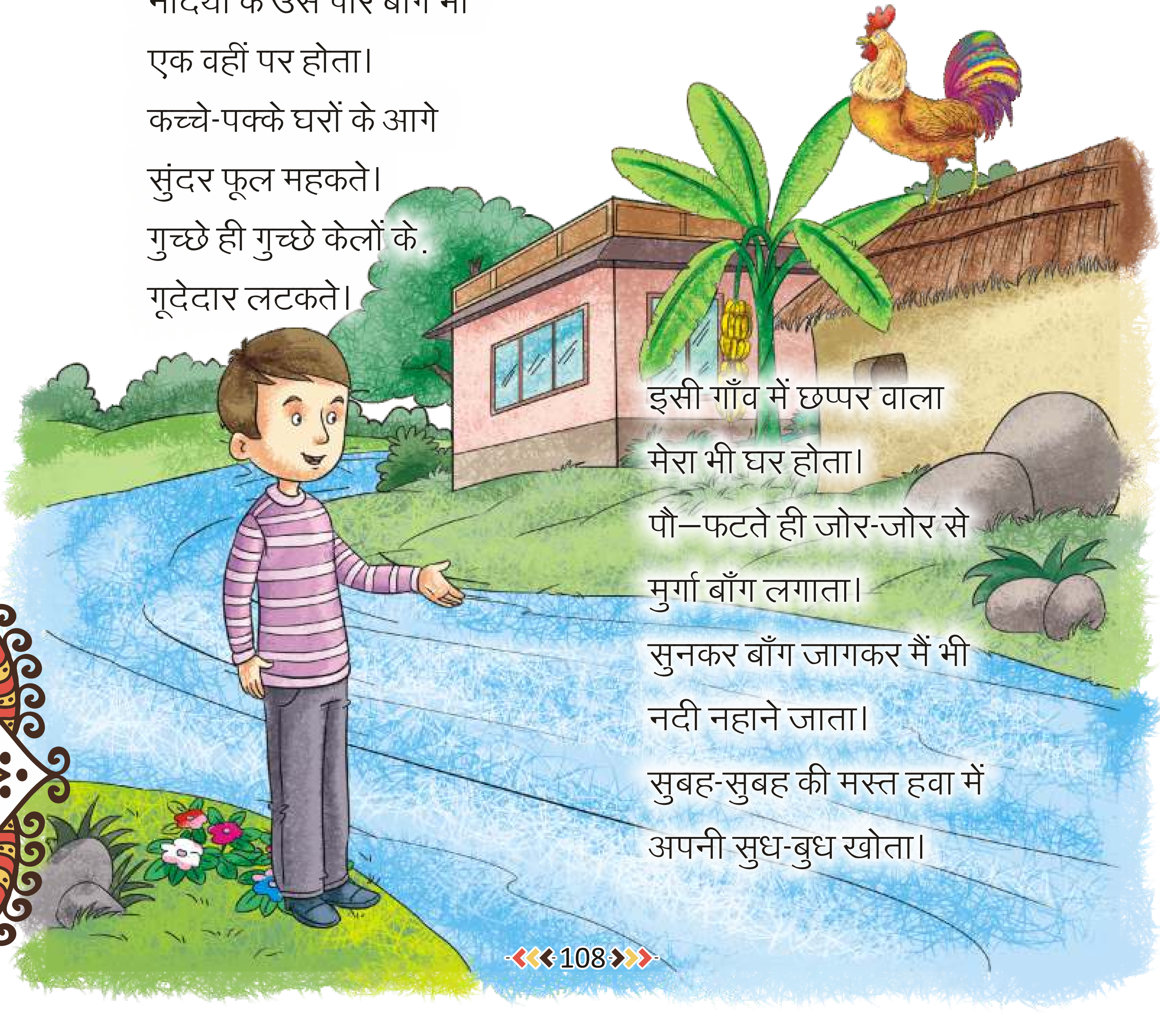

इसी गाँव में छप्पर वाला
मेरा भी घर होता।
पौ–फटते ही जोर-जोर से
मुर्गा बाँग लगाता।
सुनकर बाँग जागकर मैं भी
नदी नहाने जाता।
सुबह-सुबह की मस्त हवा में
अपनी सुध-बुध खोता।

कठिन शब्द

गाँव ■ नदिया ■ कच्चे ■ पक्के ■ गुच्छे ■ छप्पर ■ मुर्गा ■ बाँग

शब्दार्थ

नदिया - नदी **पौ-फटते ही** - सूरज निकलते ही

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   छप्पर, गुच्छे, गूदेदार, मुर्गा, बाँग
2. बाग में कौन-कौन से पेड़ होते हैं?
3. मुर्गा बाँग कब लगाता है?
4. बालक जल्दी उठकर क्या करना चाहता है?

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. गाँव हमारा ____________ किनारे
   ____________ कहीं पर होता।
2. कच्चे-पक्के ____________ के आगे
   सुंदर ____________ महकते,

3. सुबह-सुबह की मस्त ________ में
अपनी ________ खोता।

ग. समान लय वाले शब्द लिखिए–

बाग – जाग   फूल – ________

केला– ________   खोता – ________

अब भाषा की बात

क. 'र' के समान प्रयोग वाले शब्द लिखिए–

र्‍ - मुर्गा ________ ________

्र - प्रश्न ________ ________

्र - राष्ट्र ________ ________

ख. समान संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिखिए–

च्छ - गुच्छा ________ ________

च्च - कच्चा ________ ________

प्य - प्यास ________ ________

त्य - सत्य ________ ________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित में से बहुवचन वाले शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. (i) नदी ☐ (ii) नदिया ☐ (iii) नदियाँ ☐
2. (i) केला ☐ (ii) केले ☐ (iii) कैला ☐
3. (i) मुर्गे ☐ (ii) मुर्गा ☐ (iii) मुर्गी ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, ढेरों गाड़ियों तथा कारखानों की चिमनियों से निकलने वाले धुएँ के कारण शहरों की हवा दूषित होती जा रही है। इसके विपरीत गाँवों की हवा ताजी व स्वच्छ होती है। इसका कारण वहाँ पर पेड़-पौधों का अधिक होना व वाहनों का कम होना है। शहरों में भी अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वहाँ की हवा को स्वच्छ रखा जा सकता है।

ख. कुछ और करके देखें–

चित्रों को देखकर उनके नाम लिखिए और शब्द-सीढ़ी को पूरा कीजिए–

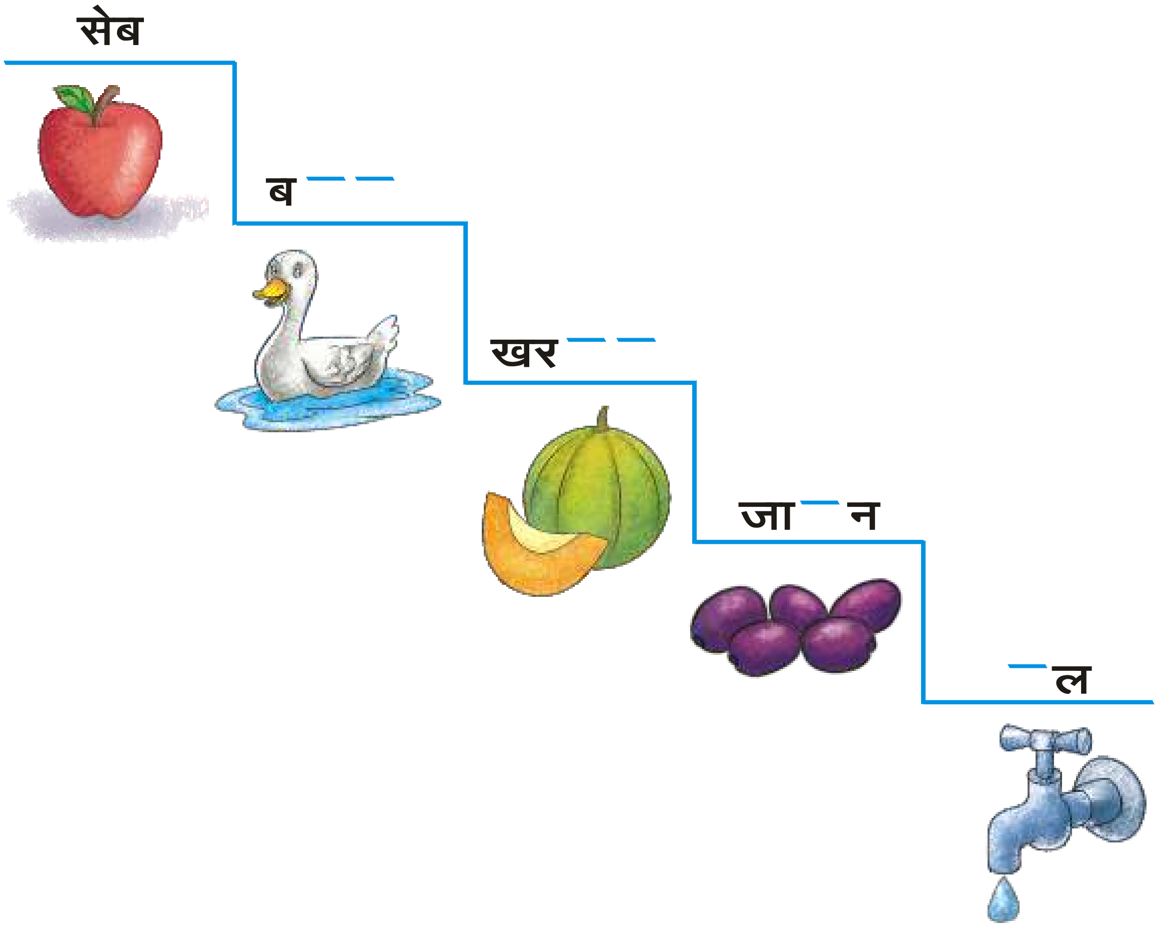

ग. बूझो तो जानें–

प्रभात को गाँव में पाए जाने वाले कुछ जानवरों के चित्र बनाने थे किंतु चित्र बनाते समय उससे कुछ भूल हो गई है। क्या आप बता सकते हैं कि वह किन जानवरों के चित्र बनाना चाहता था।

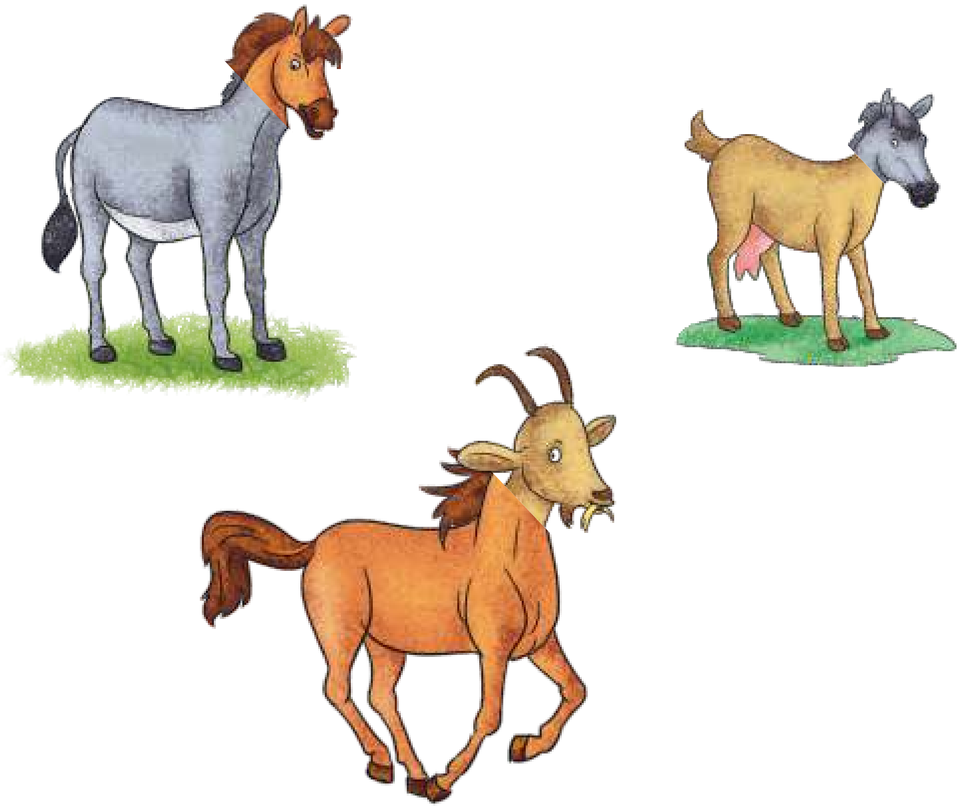

घ. कुछ और जानें–

अपने परिवार के बड़े सदस्यों से गाँव के जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

मॉडल प्रश्न–पत्र 1

1. सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

(i) गाना गाते समय कौए ने रोटी किस से पकड़ी ?

(क) पंख से ☐ (ख) मुँह से ☐ (ग) पैर से ☐

(ii) पतझड़ की ऋतु में पत्ते कैसे पड़ गए थे ?

(क) हरे ☐ (ख) लाल ☐ (ग) पीले ☐

(iii) निम्नलिखित में से बहुवचन वाला शब्द है–

(क) रोटी ☐ (ख) रोटियाँ ☐ (ग) टुकड़ा ☐

(iv) 'आकाश' के समान अर्थ वाला शब्द है–

(क) आसमान ☐ (ख) सूरज ☐ (ग) चिड़िया ☐

(v) 'खेल' के समान लय वाला शब्द है–

(क) मेल ☐ (ख) गेंद ☐ (ग) रोज ☐

2. कोष्ठक में से सही शब्दों को चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

(i) मोर पक्षियों में सबसे ________ सुंदर होता है। **(कम/अधिक)**

(ii) मोर के ________ बहुत सुंदर होते हैं। **(पंख/पैर)**

(iii) मोर किसानों का ________ होता है। **(मित्र/शत्रु)**

(iv) ________ से हम नहीं डरें। **(मेहनत/आलस)**

(v) मोर अधिक ऊँचा ________ सकता है। **(नहीं उड़/उड़)**

3. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

(i) चंदा मामा के संग सूरज आता है। ☐

(ii) चंदा मामा सबको अच्छे लगते हैं। ☐

(iii) पूँछें कटवाकर चूहा खुश था। ☐

(iv) सब लोग चूहे को चिढ़ाते थे। ☐

4. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

(i) प्रनाम ________ (ii) विधया ________

(iii) अभीमान ________ (iv) चमकिला ________

5. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(i) नदी के किनारे पीपल का पेड़ ________। (था/थी)

(ii) पतझड़ की ऋतु ________। (आई/आया)

(iii) पत्ता ढेले के नजदीक ________। (गिरी/गिरा)

(iv) पत्ते को दया आ ________। (गई/गया)

6. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

(i) गगन ________

(ii) सिर्फ ________

(iii) कोपल ________

(iv) साँझ ________

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) बच्चे अपना ध्यान किसमें लगाना चाहते हैं?

उत्तर- ________

(ii) रोटी का टुकड़ा कौन पाना चाहता था?

उत्तर- ________

(iii) पीपल के पत्ते ने किससे सहायता माँगी?

उत्तर- ________

(iv) चूहे की कितनी पूँछें थीं?

उत्तर- ________

मॉडल प्रश्न–पत्र 2

1. सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

(i) कुएँ में किसकी परछाई दिखाई दे रही थी?

(क) सूरज की ☐ (ख) चाँद की ☐ (ग) हाथी की ☐

(ii) 'हिमालय' को कहते हैं–

(क) पर्वतराज ☐ (ख) महाराज ☐ (ग) नाराज ☐

(iii) संज्ञा शब्द है–

(क) बहुत ☐ (ख) किताबें ☐ (ग) प्यारा ☐

(iv) निम्नलिखित में 'दिन' का विलोम शब्द है–

(क) रात ☐ (ख) सुबह ☐ (ग) शाम ☐

(v) बहुवचन शब्द है–

(क) नदी ☐ (ख) नदिया ☐ (ग) नदियाँ ☐

2. सही शब्दों को चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

विनम्र, चाँद, स्पर्श, कुएँ, अपशब्द

(i) आकाश में पूरा ________ चमक रहा था।

(ii) चारों बंदर ________ में गिर पड़े।

(iii) नवयुवक ने स्वामी जी के चरण ________ किए।

(iv) सारे ________ उसी व्यक्ति के पास रह गए।

(v) स्वामी जी का स्वभाव ________ था।

3. रेखा खींचकर सही मिलान कीजिए–

गंगा और यमुना	गर्म प्रदेश
हिमालय	राष्ट्रभाषा
हिंदी	पवित्र नदियाँ
तमिलनाडु	पर्वतराज

4. कोष्ठक में से सही क्रिया चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(i) मयंक ________ रहा है। **(लिख/पक)**

(ii) बीना आम ________ रही है। **(पका/खा)**

(iii) पतंग ____________ रही है। **(चल/उड़)**

(iv) हवा ____________ रही है। **(गा/बह)**

5. अनुस्वार (ं) की मात्रा वाले चार शब्द लिखिए–

____________ ____________ ____________ ____________

6. नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

ठंडा ____________ पास ____________ ऊँचा ____________

कम ____________ बड़ा ____________

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

वन ____________ जग ____________ इजाजत ____________

प्राचीन ____________ महान ____________

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) वन में कितने बंदर रहते थे?

उत्तर- ____

(ii) चीता व बारहसिंगा की दौड़ का निर्णायक कौन बना?

उत्तर- ____

(iii) भारत में ठंडे प्रदेश कौन-कौन से हैं?

उत्तर- ____

(iv) अपने बारे में अपशब्द सुनकर स्वामी जी ने क्या किया?

उत्तर- ____

(v) बंदरों ने कुएँ में क्या देखा?

उत्तर- ____